भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. †785

07 **फरवरी**, 2025 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

आयुर्वेद में उन्नत अनुसंधान

785. डॉ. राजेश मिश्रा:

श्री प्रदीप कुमार सिंह:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आयुर्वेद में उन्नत अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के साथ समन्वय किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित अन्य इसी प्रकार की पहल क्या है;

(ग) इस नई सुविधा से कितने रोजगार और अनुसंधान अवसर सृजित होने की उम्मीद है;

(घ) क्या सरकार का विचार देश में आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान खोलने का है; और

(ङ) यदि हां, तो राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विशेषकर मध्य प्रदेश के विंध्य क्षेत्र के सीधी-सिंगरौली में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संस्थानों नामत: केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) ने आयुर्वेद में उन्नत अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान निकायों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका विस्तृत विवरण **संलग्नक-I** पर दिया गया है।

(ख): पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

I) आयुष के तहत पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए, आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) और केंद्रीय क्षेत्रीय योजनाओं को लागू कर रहा है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार और लोकप्रियता के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं, नामत: आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई), अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संवर्धन (आईसी), सूचना, शिक्षा और संचार संवर्धन (आईईसी), औषधीय पौधों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन के लिए योजना (सीडीएसएमएमपी), आयुर्स्वास्थ्य योजना और आयुर्ज्ञान।

1) केंद्र प्रायोजित योजना राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) को राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है और उनके द्वारा प्रस्तुत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के अनुसार और एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के तहत उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके आयुष चिकित्सा पद्धति के समग्र विकास और संवर्धन के लिए उनके प्रयासों को सहयोग प्रदान किया जाता है। यह मिशन अन्य बातों के साथ-साथ चिकित्सा अवसंरचना सहित निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रावधान करता है: -

(i) आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम)-आयुष का संचालन
(ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुर्वेद आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना
(iii) मौजूदा स्टैंडअलोन सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन
(iv) मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास) के लिए भवन का निर्माण/ऐसे क्षेत्र में नया आयुष औषधालय स्थापित करने के लिए भवन का निर्माण जहां कोई आयुष सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।
(v) 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।
(vi) सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक औषधियों की आपूर्ति।
(vii) उन राज्यों में नए आयुष कॉलेजों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।
(viii) आयुष स्नातक संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास।
(ix) आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रम जोड़ना।
(x) आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम।

एनएएम के अंतर्गत एसएएपी के माध्यम से राज्य/संघ राज्य क्षेत्रीय सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, आयुष मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 से 2023-24 तक 4534.28 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। एनएएम योजना के कार्यान्वयन के बाद, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आयुष चिकित्सा पद्धति के विकास और लोकप्रियता का स्तर काफी बढ़ गया है। तदनुसार, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों

के माध्यम से एनएएम योजना की विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए एनएएम का बजट आवंटन धीरे-धीरे 75.28 करोड़ रुपये (वर्ष 2014-15 में) से बढ़ाकर 1200.00 करोड़ रुपये (वर्ष 2024-25 में) तक बढ़ गया। एनएएम के अंतर्गत विभिन्न आयुष पद्धतियों के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्रीय सरकारों को समेकित निधियां जारी की जा रही है।

वर्ष 2014-15 से 2023-24 तक आयुष चिकित्सा पद्धति के विकास, संवर्धन और लोकप्रियता के लिए एनएएम के तहत समर्थित प्रमुख गतिविधियाँ निम्न प्रकार हैं:-

(i) एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए 167 इकाइयों को सहयोग प्रदान किया गया।

(ii) बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए 416 आयुष अस्पतालों और 5036 आयुष औषधालयों को सहायता दी गई है।

(iii) औसतन प्रत्येक वर्ष 2322 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, 715 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और 314 जिला चिकित्सालयों को औषधियों और आकस्मिक व्यय की आवर्ती सहायता के लिए सह-स्थापन के तहत सहायता प्रदान की गई है।

(iv) प्रत्येक वर्ष औसतन 996 आयुष अस्पतालों और 12405 आयुष औषधालयों को आवश्यक आयुष औषधियों की आपूर्ति के लिए सहायता प्रदान की गई है।

(v) नये आयुष शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के लिए 16 इकाइयों को सहयोग प्रदान किया गया।

(vi) 76 स्नातक और 36 स्नातकोत्तर आयुष शैक्षणिक संस्थानों को बुनियादी ढांचे, पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए सहायता प्रदान की गई है।

(vii) 1055 आयुष ग्राम को सहयोग प्रदान किया गया है।

(viii) 12500 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) को मंजूरी दी गई है।

2) आयुष में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धतियों में जागरूकता और रुचि को बढ़ावा देना और मजबूत करना है।

योजना के घटक निम्नानुसार हैं: -

(i) विशेषज्ञों एवं अधिकारियों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आदान-प्रदान।

(ii) अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों और रोड शो आदि में भाग लेने और निर्यात के लिए आयुष उत्पादों (बाजार प्राधिकरण) के विभिन्न देशों के नियामक निकायों जैसे यूएसएफडीए/ईएमईए/यूके-एमएचआरए/एनएचपीडी /टीजीए आदि में पंजीकरण के माध्यम से आयुष के अंतर्राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार के लिए औषधि निर्माताओं, उद्यमियों, आयुष संस्थानों, अस्पतालों आदि को प्रोत्साहन।

(iii) अंतर्राष्ट्रीय बाजार विकास और आयुष संवर्धन से संबंधित गतिविधियों के लिए सहयोग

(iv) आयुष साहित्य/पुस्तकों का विदेशी भाषाओं में अनुवाद और प्रकाशन

(v) भारत के प्रमुख संस्थानों में आयुष पाठ्यक्रमों के अध्ययन के लिए विदेशी नागरिकों हेतु अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप/छात्रवृत्ति कार्यक्रम।

(vi) उत्पादों और सेवाओं के लिए निर्यात संवर्धन परिषद की स्थापना और सुदृढ़ीकरण।

3) मंत्रालय आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयुष में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय क्षेत्रीय योजना को क्रियान्वित कर रहा है। इसका उद्देश्य देश भर में आबादी के सभी वर्गों तक पहुँचना है। यह योजना राष्ट्रीय/राज्य आरोग्य मेलों, योग त्यौहारों/उत्सवों, आयुर्वेद पर्वों आदि के आयोजन के लिए सहायता प्रदान करती है। मंत्रालय, आयुष पद्धति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मल्टी-मीडिया, प्रिंट मीडिया अभियान भी चलाता है।

4) मंत्रालय वित्त वर्ष 2021-22 से केंद्रीय क्षेत्रीय की आयुर्स्वास्थ्य योजना को लागू कर रहा है। इस योजना के 02 घटक हैं: नामत: (i) आयुष और सार्वजनिक स्वास्थ्य (ii) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)। आयुर्स्वास्थ्य योजना के आयुष और सार्वजनिक स्वास्थ्य घटक के उद्देश्य निम्न प्रकार हैं: -

- सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए आयुष उपचार को बढ़ावा देना।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य में आयुष स्वास्थ्य देखभाल के लाभों को प्रदर्शित करना।
- आयुष पद्धति को एकीकृत करके सतत विकास लक्ष्य-2 (एसडीजी2) और सतत विकास लक्ष्य-3 (एसडीजी 3) के कार्यान्वयन में सहायता करना।
- विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों में आयुष उपचारों के माध्यम से आयुष पद्धतियों की प्रभावकारिता का दस्तावेजीकरण करना, जिन्हें राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कार्यान्वयन के लिए बड़े पैमाने पर प्रारंभ किया जा सकता है।

5) आयुष मंत्रालय वर्ष 2021-2026 के लिए 122 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई) संबंधी केंद्रीय क्षेत्रीय योजना को लागू कर रहा है, जिसका एक उद्देश्य आयुष औषधियों और सामग्रियों के मानकों और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए तालमेल, सहयोग और अभिसरण दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है।

II. इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय के तहत निम्नलिखित 12 राष्ट्रीय संस्थान और 05 अनुसंधान परिषदें स्वास्थ्य देखभाल की आयुष पद्धति के समन्वय, निर्माण, विकास, प्रचार और लोकप्रिय बनाने में कार्यरत हैं:

i. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली

ii. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर
iii. राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, दिल्ली
iv. राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे
v. उत्तर पूर्वी आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान, शिलांग
vi. उत्तर पूर्वी आयुर्वेद और लोक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, पासीघाट
vii. राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान, बेंगलुरु
viii. आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जामनगर
ix. राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान, चेन्नई
x. राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, कोलकाता
xi. मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली
xii. राष्ट्रीय सोवा रिग्पा संस्थान (एनआईएसआर), लेह
xiii. केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस)
xiv. केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन)
xv. केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम)
xvi. केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस)
xvii. केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच)

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत विभिन्न धाराओं के आयुष संस्थान आम लोगों के लिए अंग्रेजी, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया का उपयोग करके अपनी आईईसी गतिविधियों के माध्यम से आयुष चिकित्सा पद्धतियों को लोकप्रिय बनाते हैं, जिन्हें राष्ट्रीय/राज्य स्तर के आरोग्य मेलों, स्वास्थ्य शिविरों, प्रदर्शनियों, एक्सपो के माध्यम से व्यापक रूप से वितरित किया जाता है। आयुष मंत्रालय अपने विभिन्न सोशल मीडिया मंचो नामत: यानी फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि पर आयुष चिकित्सा पद्धति को डिजिटल रूप से बढ़ावा दे रहा है। आयुष मंत्रालय पोषण माह अभियान में भाग लेकर, संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों/स्कूल स्वास्थ्य जांचों में भाग लेकर, आयुष इकाइयों और उपचार केंद्रों की ओपीडी/आईपीडी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करके, विभिन्न धाराओं में समकक्ष-समीक्षित शोध पत्रिकाओं/समाचार पत्रों/बुलेटिनों को प्रकाशित करके, जो ऑनलाइन उपलब्ध हैं और अंतरराष्ट्रीय पाठकों के लिए भी उपलब्ध हैं, आयुष चिकित्सा पद्धतियों का प्रचार-प्रसार करता है, ताकि जनता के बीच शोध के परिणामों का प्रचार-प्रसार किया जा सके।

स्कूली स्वास्थ्य कार्यक्रमों और क्लिनिकल मोबाइल अनुसंधान कार्यक्रमों के अतिरिक्त, आयुष के तहत भारतीय चिकित्सा पद्धति के प्रचार और लोकप्रियता के लिए अन्य आउटरीच कार्यक्रम जैसे अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) अनुसंधान कार्यक्रम, आदिवासी स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम (टीएचसीआरपी) आदि भी चलाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत, देश के

विभिन्न हिस्सों में विभिन्न बीमारियों के निवारक पहलुओं के बारे में जागरूकता पैदा करने और रोगियों को उपचार प्रदान करने के लिए एससी/एसटी आबादी वाले गांवों का चयन किया गया है।

III. आयुष मंत्रालय के अंतर्गत 02 सांविधिक निकाय अर्थात राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) और राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) आयुष शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक नियामक आयोग के रूप में काम कर रहे हैं, जिसके द्वारा आयुष महाविद्यालयों और संबद्ध अस्पतालों के माध्यम से देश भर में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित गतिविधियों को कार्यान्वित किया जा रहा है।

IV. आयुष मंत्रालय की वेबसाइट और आयुष मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त निकायों/सांविधिक निकायों/विनियामक निकायों आदि पर भी आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जानकारी उपलब्ध है तथा इन्हें अन्य महत्वपूर्ण वेबसाइटों के साथ हाइपरलिंक किया गया है, जो व्यापक उपयोगिता हेतु जानकारी प्रदान करते हैं।

(ग): हाल ही में, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने रोहिणी, नई दिल्ली में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) की आधारशिला रखी। केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली पहले से ही पंजाबी बाग, नई दिल्ली में किराए के भवन में सभी आवश्यक कार्मिकों के साथ कार्य कर रहा है। इसलिए, इस संस्थान के किराए के भवन से रोहिणी, नई दिल्ली में अपने नए भवन में स्थानांतरित होने के बाद कोई नई नौकरी के अवसर पैदा होने की उम्मीद नहीं है। हालाँकि, आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए एनएसडीसी के तहत हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल से संबद्ध पंचकर्म तकनीशियन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करके छात्रों को नई नौकरी के अवसर प्रदान करना भी संस्थान का मुख्य क्षेत्र होगा क्योंकि पंचकर्म प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की सीटों को 10 से बढ़ाकर 30 सीटें या उससे अधिक किया जा सकता है क्योंकि नए भवन में बुनियादी ढाँचा उपलब्ध होगा।

इसके अतिरिक्त, इस नए सीएआरआई भवन का उद्देश्य एनएबीएच अस्पताल के साथ आयुर्वेद में नैदानिक अनुसंधान करने, समन्वय करने और बढ़ावा देने के लिए सीएआरआई को एक मॉडल अनुसंधान संस्थान के रूप में विकसित करना होगा। यह संस्थान आयुर्वेद में अनुसंधान और उपचार को भी मजबूत करेगा, जिसमें पंचकर्म, क्षारसूत्र, रक्तमोक्षण और नेत्र क्रियाकल्प जैसी शास्त्रीय उपचार पद्धतियों का उपयोग किया जाएगा। स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच उपयोग के लिए नैदानिक निदान और नैदानिक परीक्षण के लिए व्यापक, व्यावहारिक, अनुकूलनीय उपयोगकर्ता-अनुकूल प्रारूप का विकास किया जाएगा और एक अच्छी तरह से सुसज्जित एनएबीएल लैब के साथ पैथोलॉजिकल, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल जांच का उपयोग करके उन्नत तकनीक के साथ निदान का समर्थन किया जाएगा, जो संस्थान द्वारा किए गए अनुसंधान परियोजनाओं को भी बढ़ाएगा।

(घ) और (ङ): देश में कोई नया आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान खोलने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। हालाँकि, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने आयुर्वेदिक विज्ञान में वैज्ञानिक आधार पर अनुसंधान करने, समन्वय करने, तैयार करने, विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए एक स्वायत्त संगठन, केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) की स्थापना की है। अनुसंधान गतिविधियाँ पूरे भारत में स्थित इसके 30 संस्थानों/केंद्रों और विभिन्न विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और संस्थानों के साथ सहयोगी अध्ययनों के माध्यम से की जाती हैं। मध्य प्रदेश राज्य में सीसीआरएएस के तहत क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर नामक एक संस्थान कार्यरत है। सीसीआरएएस संस्थानों/केंद्रों की सूची **संलग्नक-II** में संलग्न है।

****

संलग्नक -I

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस)						
राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों का विवरण						
क्र.सं.	**समझौता ज्ञापन का शीर्षक**	**सहयोगी संस्थान का नाम**	**समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तिथि**	**समझौता ज्ञापन की समाप्ति की तिथि**	**अवधि**	**समझौता ज्ञापन के तहत की गई गतिविधियां**
1.	आयुर्वेद में औषधीय अनुसंधान, विभिन्न धाराओं के एम. फार्मा छात्रों / पीएच.डी. विद्वानों के लिए मार्गदर्शिका	शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ	03.07.2009	02.07.2014	05 वर्ष	बारह एम फार्मा विद्यार्थी बाजार में उपलब्ध विभिन्न आयुर्वेदिक फार्मूलों के मानकीकरण और तुलनात्मक अध्ययन पर अपना शोध कार्य करना है।
2.	आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को एकीकृत करने के लिए बीएफयूएचएस परिसर में सैटेलाइट सेंटर की स्थापना, ताकि बीएफयूएचएस में नैदानिक सुविधाओं का उपयोग संभव हो सके।	बाबा फ़रीद यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज (BFUHS), फ़रीदकोट	21.02.2010	20.02.2015	05 वर्ष	बीएफयूएचएस परिसर में सैटेलाइट सेंटर की स्थापना
3.	प्री क्लिनिकल और क्लिनिकल परीक्षण आयोजित करने के लिए।	लैला इम्पेक्स , बृंदावन कॉलोनी, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	07.09.2012	प्रारम्भ में 03 वर्ष के लिए तथा प्रत्येक 02 वर्ष पर नवीकृत किया गया	02 वर्ष	परियोजनाएं
4.	अस्थमा (*तमाक श्वासा)* के प्रबंधन में आयुर्वेदिक कोडेड	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स),	08.02.2018	07.02.2021	03 वर्ष	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना

	औषधि आयुष ए का यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित नैदानिक अध्ययन - एक सहयोगात्मक अध्ययन	नई दिल्ली				
5.	व्यवस्थित वनस्पति विज्ञान में अनुसंधान	कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल , उत्तराखंड	06.06.2018	05.06.2023	05 वर्ष	पीएच.डी. कार्य
6.	रिलैप्स में उच्च ग्रेड सीरस एपिथीलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में कार्कटोल -एस की प्रभावकारिता, विषाक्तता और इम्यूनोमॉडुलेटरी प्रभाव का अध्ययन करने के लिए चरण II परीक्षण	टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (TMH) और एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (ACTREC) मुंबई, महाराष्ट्र	25.07.2018	परियोजना के पूरा होने तक	-	नैदानिक अनुसंधान
7.	एक्यूट माइलोसाइटिक लोकिमिया के उपचार के लिए धातु आधारित आयुर्वेदिक योगों का विकास	वैद्य चंद्र प्रकाश कैंसर रिसर्च फाउंडेशन, देहरादून, उत्तराखंड	29.01.2019	28.01.2022	03 वर्ष	सहयोगात्मक परियोजना
8.	मराठी संग्रह- चिकित्सा प्रभाकर का हिन्दी अनुवाद "	तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ , पुणे, महाराष्ट्र	20.02.2019	19.02.2020	01 वर्ष	परियोजना के अनुसार अनुवाद गतिविधियाँ
9.	एक मूल्यवान संस्कृत सार-संग्रह ' हस्त्यआयुर्वेद और अश्व-वैद्यकम और अश्व-चिकित्सा ' का अंग्रेजी में अनुवाद	तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ पुणे, महाराष्ट्र	20.02.2019	19.02.2020	01 वर्ष	परियोजना के अनुसार अनुवाद गतिविधियाँ

10.	नेत्र चिकित्सा उपयोग के लिए नेत्र पटापका योग की विभिन्न तैयारी तकनीकों का मानकीकरण और एसओपी का विकास नामक शोध परियोजना	लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, फगवाड़ा , पंजाब।	20.07.2019	19.07.2021	02 वर्ष	एक परियोजना शुरू की गई और पूरी हो गई
11.	आयुर्वेदिक नैदानिक उपकरणों की मान्यता और विश्वसनीयता परीक्षण ”	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली	29.08.2019	2.08.2022	03 वर्ष	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना
12.	आयुर्वेद निदान उपकरणों की मान्यता और विश्वसनीयता परीक्षण” राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के साथ बहुकेन्द्रीय अनुसंधान परियोजना	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर	06.09.2019	31.07.2022	03 वर्ष	• प्रत्येक रोग के लिए लक्षित रोगियों का नामांकन पूरा किया गया। • इस शोध के परिणाम आयुर्वेद चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक समान पैटर्न में रोगों के आयुर्वेदिक निदान के लिए फायदेमंद होंगे और उक्त रोगों पर एक समान शोध के लिए मंच तैयार किया जाएगा।
13.	आयुर्वेद में निदान विधियों की मान्यता और विश्वसनीयता	केरल आयुर्वेदिक अध्ययन और अनुसंधान सोसायटी, कोट्टक्कल , केरल	09.09.2019	08.09.2022	3 वर्ष	सहयोग परियोजना
14.	नैदानिक रिकवरी और	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान	20.01.2020	19.01.2022	02 वर्ष	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना

	माइट्रल वाल्व ओपन हार्ट पोस्ट ऑपरेटिव परिणामों पर आयुष सीसीटी और राजयोग ध्यान बनाम पारंपरिक उपचार की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन	संस्थान (एम्स), नई दिल्ली				
15.	एएमआरए परियोजना का क्रियान्वयन	1) आरआरएपी सीएआरआई, मुंबई; 2) एवीपी रिसर्च फाउंडेशन, कोयंबटूर; 3)राजा राजेश्वरी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बैंगलोर	04.02.2020 एवं 21.2.2023 से विस्तारित समझौता ज्ञापन (प्रथम एवं द्वितीय के लिए) 15.07.2022	20.02.2026 14.03.2025	3 वर्ष	एएमआरए अध्ययन
16.	रुमेटॉइड आर्थराइटिस में मेथोट्रेक्सेट बनाम शास्त्रीय आयुर्वेद प्रबंधन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक डबल-ब्लाइंड डबल डमी संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (एएमआरए अध्ययन)	आरएआरआईए मडी, बेंगलुरु और आर्य वैद्य फार्मेसी रिसर्च फाउंडेशन (एवीपीआरएफ), कोयंबटूर	21.02.2020	परियोजना के पूरा होने तक	-	नैदानिक अनुसंधान
17.	हल्के से मध्यम कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए देखभाल के मानक के सहायक उपचार के रूप में	श्री धन्वन्तरि आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल, चंडीगढ़	19.05.2020	छह महीने या परियोजना पूरी होने तक, जो भी पहले हो	06 महीने	परियोजना कार्यान्वित होकर पूरी हो गई है।

	एक यादृच्छिक, खुला लेबल, समानांतर प्रभावकारिता और आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन (आयुष 64) की सुरक्षा” नामक सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना					
18.	परियोजना समझौता ज्ञापन और हल्के से मध्यम कोविड-19 संक्रमण में आयुर्वेद हस्तक्षेप आयुष 64 की सुरक्षा और प्रभावकारिता - एक संभावित, ओपन लेबल, एकल भुजा नैदानिक अध्ययन	ए एंड यू तिब्बिया कॉलेज एवं अस्पताल, नई दिल्ली	28.05.2020	27.11.2020	06 महीने	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना
19.	चिकित्सा कर्मियों में कोविड-19 महामारी की रोकथाम में आयुर्वेदिक हस्तक्षेप (च्यवनप्राश) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन - एक ओपन लेबल सिंगल आर्म संभावित अध्ययन	ए एंड यू तिब्बिया कॉलेज एवं अस्पताल, नई दिल्ली	28.05.2020	27.11.2020	06 महीने	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना
20.	कोविड-19 मामलों में आयुष -64 की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन	चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान , खेड़ा डाबर , नजफगढ़ , नई दिल्ली	02.06.2020	01.12.2020	06 महीने	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना
21.	स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच कोविड-19 की रोकथाम में आयुर्वेदिक रसायन (च्यवनप्राश) - सुरक्षात्मक क्षमता का	चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान , खेड़ा डाबर , नजफगढ़ , नई दिल्ली	02.06.2020	01.12.2020	06 महीने	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना

	मूल्यांकन एक खुला लेबल, भावी यादृच्छिक नियंत्रित समानांतर समूह अध्ययन					
22.	हल्के से मध्यम कोविड 19 रोगियों के प्रबंधन के लिए देखभाल के मानक के सहायक उपचार के रूप में आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन (आयुष-64) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, ओपन लेबल, समानांतर प्रभावकारिता, सक्रिय नियंत्रण, बहु-केंद्र अन्वेषणात्मक दवा परीक्षण	एनएससीआई डोम समर्पित कोविड 19 अस्पताल, (बीएमसी साउथ जी वार्ड), मुंबई, महाराष्ट्र	15.06.2020	परियोजना के पूरा होने तक	बंद किया हुआ	नैदानिक अनुसंधान
23.	त्रिशकंदकोश का डिजिटलीकरण	तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ पुणे, महाराष्ट्र	15.06.2020	14.06.2022	02 वर्ष	त्रिशकंदकोश का डिजिटलीकरण
24.	लक्षणविहीन से लेकर मध्यम कोविड-19 के प्रबंधन में आयुर्वेदिक उपायों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक पूर्वव्यापी अध्ययन	श्री धन्वन्तरि आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल, चंडीगढ़	18.06.2020	जब तक कि टर्मिनेटेड कोई भी पक्ष दूसरे पक्ष को अपनी इच्छा की सूचना नहीं दे देता	बंद किया हुआ	परियोजना कार्यान्वित होकर पूरी हो गई है।
25.	कोविड-19 संक्रमण (हल्के से मध्यम लक्षण) के प्रबंधन में आयुर्वेद हस्तक्षेप (अश्वगंधा टैबलेट और शुंटी कैप्सूल) की प्रभावकारिता	श्री धन्वन्तरि आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल, चंडीगढ़	18.08.2020	छह माह या परियोजना पूरी होने तक, जो भी पहले हो।	06 महीने	परियोजना कार्यान्वित होकर पूरी हो गई है।

	और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण " नामक सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना					
26.	ओटोमेटेड बस्ती यंत्र का विकास - एनीमा के चिकित्सीय प्रेरण के लिए एक व्यापक उपकरण।	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली	25.08.2020	23.08.2022	02 वर्ष	विकसित स्वचालित बस्ती यंत्र
27.	स्वस्थ्य व्यस्कों में विरेचन (विरेचन चिकित्सा) द्वारा प्रेरित शारीरिक आधार और आंत बैक्टीरिया मॉड्यूलेशन का अध्ययन: एक संभावित अनुदैर्ध्य अध्ययन।	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), सरिता विहार एवं यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस), नई दिल्ली	28.08.2020	27.08.2023	03 वर्ष	सहयोगात्मक नैदानिक अनुसंधान परियोजना
28.	कोविड-19 के खिलाफ़ प्रोफिलैक्सिस में अश्वगंधा का एक अध्ययन और उच्च जोखिम वाले स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों में सामान्य स्वास्थ्य पर इसके लाभ: हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन, सल्फेट (HCQS) के साथ एक यादृच्छिक नियंत्रित तुलना	रुमेटिक रोग केंद्र, पुणे और दाता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान (DMIMS), नागपुर, महाराष्ट्र	17.09.2020	परियोजना के पूरा होने तक	बंद किया हुआ	नैदानिक अनुसंधान
29.	सीएआरआई, नई दिल्ली में ऐसे डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए संस्थान की उचित	दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल	27.10.2020	26.10.2025	05 वर्ष	दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के साथ समझौता

	मान्यता के बाद संयुक्त रूप से डॉक्टरेट अनुसंधान परियोजनाएं चलाना तथा इसका क्षेत्र निर्धारित करना।	साइंसेज, डीम्ड यूनिवर्सिटी				ज्ञापन, जो कि यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत एक मानद विश्वविद्यालय है, और जिसे भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सीएआरआई, नई दिल्ली को पीएचडी संस्थान के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए 'ए' ग्रेड का दर्जा दिया गया है।
30.	"कैंसर के लिए आयुर्वेद हस्तक्षेप व्यवस्थित समीक्षा, मेटा-विश्लेषण और पुनरुद्धार, चिकित्सकों, संस्थानों (एआईसी, एसआरएमए, आरडीबीवीएडी) से डेटा का दस्तावेजीकरण, सत्यापन और विश्लेषण" परियोजना के तहत कैंसर के मामलों का पूर्वव्यापी दस्तावेजीकरण	चेरियन आश्रम होलिस्टिक सेंटर, केरल और अमृता सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च इन आयुर्वेद अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद, केरल	05.12.2020	परियोजना के पूरा होने तक	बंद किया हुआ	यह समझौता ज्ञापन चल रहे आईएमआर प्रोजेक्ट- एआईसी एसआरएमए आरडीवीएडी के तहत चेरियन आश्रम में कैंसर डेटा के दस्तावेजीकरण के लिए किया गया था। इसके लिए कोई अलग बजट आवंटित नहीं किया गया था।
31.	स्वस्थ मनुष्यों में प्रकृति के मॉलिक्यूलर सिग्नेचर को स्पष्ट करने के लिए सिस्टम बायोलॉजी दृष्टिकोण	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक	16.02.2021	30.09.2024	03 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना

		इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली; टीडीयू विश्वविद्यालय, बेंगलुरु				
32.	आयुर्वेदिक हस्तक्षेप पर संभावित डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन (सर्पगंधा मिश्रण) बनाम एम्लोडिपिन स्टेज-। प्राथमिक उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए	अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान एम्स, नई दिल्ली	24.02.2021	31.01.2024	03 वर्ष	फार्माकोलॉजी विभाग में स्टेज। प्राथमिक उच्च रक्तचाप के लिए सहयोगात्मक नैदानिक अनुसंधान कार्य शुरू किया गया
33.	पांडुलिपियों, मुद्रित पुस्तकों, पुरानी पत्रिकाओं, जर्नलों, पत्रिकाओं, संग्रहालय प्रदर्शनों का अधिग्रहण	डॉ. अचंता लक्ष्मीपति आयुर्वेद पुस्तकालय ट्रस्ट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश।	05.03.2021	04.03.2024	03 वर्ष	5000 से अधिक पुस्तकालय संग्रह एकत्र किए गए: ताड़ के पत्ते की पांडुलिपियाँ (ताड़ के पत्ते और कागज), मुद्रित पुस्तकें, दुर्लभ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, पुरानी पत्रिकाएँ, पत्रिकाएँ, सम्मेलन की कार्यवाही, ब्रोशर, समाचार, हस्तलिखित नोट आदि, और संग्रहालय प्रदर्शनी (लगभग 139 की संख्या में) 23-24 अगस्त 2021, 2-3 मार्च 2022 और 11-08-2023 के दौरे के दौरान डॉ. एएलपीएएलटी, विजयवाड़ा से

34.	पारंपरिक उपचार के अतिरिक्त आयुर्वेदिक हस्तक्षेप की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना तथा बाल चिकित्सा एडीएचडी (ध्यान की कमी अति सक्रियता विकार) में एपिजेनेटिक्स, न्यूरो/आंत बायोमार्कर और न्यूरोइमेजिंग की परस्पर क्रिया का पता लगाना।	राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान एनआईएमएचए एनएस, बेंगलुरु	19.03.2021	31.03.2025	04 वर्ष	उपर्युक्त अनुसंधान परियोजना
35.	कोविड-19 से निपटने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में आयुष के एकीकरण की डब्ल्युएचओ रक्षित परियोजना मूल्यांकन ।	पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, पीएचएफआई, डब्ल्यूएचओ, नई दिल्ली	23.03.2021	22.11.2021	08 महीने	सहयोग परियोजना
36.	फ्लोरोमेट्रिक उच्च थ्रूपुट स्क्रीनिंग परख के माध्यम से दवाओं-साइटोक्रोम P450 एंजाइम इंटरैक्शन का मूल्यांकन	राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, मुंबई	26.03.2021	25.03.2024	03 वर्ष	सहयोग के माध्यम से आयुर्वेदिक औषधि-साइटोक्रोम पी450
37.	एटीटी पर तपेदिक के रोगियों में एक अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में पीटीके की हेपेटोप्रोटेक्टिव गतिविधि का मूल्यांकन - एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड कंट्रोल क्लिनिकल अध्ययन	श्री. बीएमके आयु. कॉलेज, बेलगावी	30.03.2021	30.09.2024	02 वर्ष 06 महीने	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना
38.	प्राचीन आयुर्वेदिक शास्त्रीय	तिलक महाराष्ट्र	09.08.2021	08.08.2024	03 वर्ष	साहित्य के आधार पर

	ग्रंथों (भोजनकुतुहलम और क्षेमकुतुहलम) से चयनित नुस्खों के प्रतिरक्षा-संशोधक गुणों का अध्ययन और उन्हें प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले के रूप में पुनः उपयोग में लाना	विद्यापीठ , पुणे				संभावित प्रतिरक्षा-नियंत्रण क्षमता वाले चार खाद्य व्यंजनों की पहचान की गई है।
39.	"राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के साथ सीसीआरएएस द्वारा विकसित स्वास्थ्य मूल्यांकन पैमाने पर पीजी थीसिस अध्ययन में निष्पादन "सहयोगात्मक अध्ययन	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर	15.09.2021	-	बंद किया हुआ	मान्य स्वास्थ्य मूल्यांकन पैमाना आयुर्वेद सिद्धांतों के आधार पर स्वस्थ जनसंख्या की स्थिति को रिकॉर्ड करने के लिए पर्याप्त उपकरण के रूप में कार्य कर सकता है और यह व्यक्ति के स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति को जानने में भी मदद कर सकता है और अप्रत्यक्ष रूप से यह बीमार व्यक्तियों की स्वास्थ्य स्थिति को वापस लाने में आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका का आकलन करने में भी मदद कर सकता है।
40.	आरएआरआई, पुणे के औषधीय पादप उद्यान से चयनित आयुर्वेदिक औषधीय पादप प्रजातियों का पादप विविधता डेटाबेस	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	17.09.2021	16.09.2024	03 वर्ष	आयुर्वेदिक पौधों की प्रजातियों के लिए फार्माकोग्नॉस्टिकल और डीएनए बारकोड डेटाबेस का निर्माण

41.	रेडिकुलोपैथी के साथ लम्बर डिस्क हर्नियेशन में दर्द प्रबंधन में मर्म चिकित्सा की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून	30.09.2021	29.09.2023	02 वर्ष	सहयोगात्मक परियोजना
42.	एक सहयोगी परियोजना " रेडिकुलोपैथी के साथ लम्बर डिस्क हर्नियेशन में दर्द प्रबंधन में मार्मा थेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण " को क्रियान्वित करने के लिए	उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय मुख्य परिसर, देहरादून	30.09.2021	29.3.2023	18 महीने	सहयोगात्मक परियोजना पूरी हो गई है
43.	आयुर्वेदिक योगों अश्वगंधा , योगराज गुग्गुलु (YG) और उनके संयोजन की नियामक क्रियाओं का निष्कर्ष निकालने के लिए प्रोटियोमिक्स चेमिनफोरमेटिक्स, नेटवर्क बायोलोजी टूल्स एंड इन-विवो एस्से सहित व्यापक विश्लेषणात्मक रणनीति	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी	07.10.2021	30.04.2024	02 वर्ष 06 महीने	प्रीक्लिनिकल फार्माकोलॉजी अनुसंधान
44.	साइटोटॉक्सिसिटी, फार्माकोकाइनेटिक्स, कैंसर विरोधी गतिविधि, भल्लातकड़ी मोडका इन	सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान,	11.11.2021	10.11.2023	02 वर्ष	प्रीक्लिनिकल IMRसहयोगी परियोजना

	विट्रो (2डी और 3डी कल्चर) और इन विवो ट्यूमर ज़ेनोग्राफ्ट मॉडल में विस्तृत आण्विक तंत्र का मूल्यांकन	कोलकाता				
45.	कोविड-19 वैक्सीन के विरुद्ध टीका लगाए गए प्रतिभागियों में अश्वगंधा प्रशासन की सुरक्षा, प्रतिरक्षात्मकता और संरक्षण पर एक अध्ययन : एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित, बहु-केंद्रित-क्लिनिकल परीक्षण	रूमेटिक रोग केंद्र, पुणे एनआईए, जयपुर एआईआईए, नई दिल्ली एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल, हसनश्री बीएम कंकनवाड़ी आयुर्वेद महाविद्यालय , बेलगावी दत्ता मेघे मेडिकल कॉलेज, नागपुर ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबादआरआरएपी, केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, आरए पोद्दार मेडिकल (आयु) कॉलेज, मुंबई स्कूल ऑफ हेल्थ	26.11.2021	परियोजना के पूरा होने तक	-	नैदानिक अनुसंधान

		साइंसेज, और हेल्थ सेंटर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे				
46.	माइग्रेन के प्रबंधन में आयुष एम 3 के डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड प्लेसबो नियंत्रित मल्टीसैंट्रिक क्लिनिकल ट्रायल पर नैदानिक अध्ययन	राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस), बेंगलुरु	10.01.2022	09.01.2025	03 वर्ष	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना
47.	पार्किंसंस रोग के अनुकूलित पारंपरिक प्रबंधन के लिए आयुर्वेद चिकित्सीय व्यवस्था : नैदानिक, कॉर्टिकल उत्तेजना, न्यूरोइम्यून और स्वायत्त कार्य मापदंडों के आकलन के लिए एक आरसीटी	राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान एनआईएमएचए एनएस, बेंगलुरु	27.01.2022	26.01.2025	03 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना
48.	चूहों में *(त्रिफला* शोधिता) 'शुंठी की सूजनरोधी और गठियारोधी गतिविधि का विषाक्तता अध्ययन और मूल्यांकन" शीर्षक से सहयोगात्मक परियोजना को अंजाम देना गुग्गुल	पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, असम कृषि विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	17.02.2022	16.02.2024	02 वर्ष	परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हो गई है और परियोजना की अंतिम रिपोर्ट CARI, गुवाहाटी द्वारा CCRAS- मुख्यालय को प्रस्तुत कर दी गई है।
49.	गर्भाशय-ग्रीवा और डिम्बग्रंथि के कैंसर से पीड़ित रोगियों की प्रकृति (आयुर्वेदिक शारीरिक	टाटा मेमोरियल अस्पताल (TMH), मुंबई	23.02.2022	परियोजना के पूरा होने तक	-	नैदानिक अनुसंधान

	संरचना) का आकलन					
50.	आयुर्वेदिक योगों का इन विट्रो मूल्यांकन (अमृत भल्लाटक घृत , ज्योतिष्मती तैला , और आयुष मानस) ने पार्किंसंस और अल्जाइमर रोग के कोशिका-मुक्त और कोशिका-आधारित मॉडल पर काम किया है।	राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर), गुवाहाटी	28.03.2022	30.06.2024	02 वर्ष	प्री-क्लीनिकल फार्माकोलॉजी अनुसंधान
51.	ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, मेलेनोमा, फेफड़े और स्तन कैंसर के पूर्व-नैदानिक मॉडलों के खिलाफ प्रतिरक्षा-संशोधक और कैंसर-रोधी यौगिकों के रूप में CARAF और CAGHE की यांत्रिक भूमिका को समझना	कैंसर उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र (ACTRC), खारघर , नवी मुंबई	29.03.2022	परियोजना के पूरा होने तक	-	पूर्व-नैदानिक अनुसंधान
52.	ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, मेलेनोमा, फेफड़े और स्तन कैंसर के पूर्व-नैदानिक मॉडलों के खिलाफ प्रतिरक्षा-संशोधक और कैंसर-रोधी यौगिकों के रूप में CARAF और CAGHE की यांत्रिक भूमिका को समझना	कैंसर उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र (ACTRC), खारघर , नवी मुंबई	29.03.2022	परियोजना के पूरा होने तक	-	पूर्व-नैदानिक अनुसंधान
53.	डिम्बग्रंथि के कैंसर के खिलाफ प्रतिरक्षा-मॉड्यूलेटरी और कैंसर-रोधी फॉर्मूलेशन के रूप में	कैंसर उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र (ACTRC),	29.03.2022	परियोजना के पूरा होने तक	-	पूर्व-नैदानिक अनुसंधान

	कार्कटोल -एस की यांत्रिक भूमिका को समझना	खारघर , नवी मुंबई				
54.	*विथानिया सोम्नीफेरा* अर्क और इसके प्रमुख फाइटोकोन्स्टिट्यूएंट्स का जन्मजात प्रतिरक्षा कोशिका प्रतिक्रियाओं पर प्रभाव और प्रतिरक्षादमन और सूजन के प्रायोगिक पशु मॉडल में उनकी प्रभावकारिता के साथ यांत्रिक अध्ययन" नामक परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन।	केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान सीडीआरआई, लखनऊ	30.03.2022	29.03.2025	03 वर्ष	चालू परियोजना
55.	एल्कोहॉलिक और नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लीवर बीमारी में प्रायोगिक पशु मॉडल में आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन, आयुष -पीकेटी और आयुष जीएचएम की हेपेटोप्रोटेक्टिव प्रभावकारिता और अंतर्निहित आणविक तंत्र का मूल्यांकन : एक पूर्व-नैदानिक अध्ययन	यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली,	20.11.2019	19.11.2021	2 साल	सहयोगात्मक परियोजना
56.	जानू संधिगत वात (घुटने का प्राथमिक ऑस्टियो अर्थराइटिस) में बहुविध आयुर्वेद हस्तक्षेप की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	04.04.2022	03.10.2024	01 वर्ष 06 महीने	सहयोगात्मक नैदानिक अनुसंधान परियोजना

	यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण संधिगतवात (प्राथमिक घुटने का ऑस्टियोआर्थराइटिस)”					
57.	हल्के से मध्यम गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) के विषयों में आयुष जीएमएच का मूल्यांकन - एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड कंट्रोल क्लिनिकल अध्ययन	1) श्री. बीएमके अय., बेलगावी 2) आईसीएमआर - राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान बेलगावी	23.05.2022	18.03.2025	03 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना
58.	इंट्रानासल तेल टपकाने स्वस्थ व्यक्तियों में नाक की बाधा कार्य पर (प्रतिमर्ष नास्य) के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन	डीवाई पाटिल मेडिकल कॉलेज, पुणे	28.05.2022	31.12.2023	15 महीने और 04 महीने का विस्तार	आईएमआर क्लिनिकल परियोजना परीक्षण
59.	आपातकालीन देखभाल सोनोलॉजिकल जांच (यूएसजी), इमेजिंग तकनीकों की रिपोर्टिंग आदि की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए सेवाएं प्रदान करना।	एनएचआईएमएस अस्पताल (राष्ट्रीय स्वास्थ्य आधुनिक विज्ञान संस्थान), चेरुथुरुथी	23.07.2022	22.07.2027	05 वर्ष	सहयोग परियोजना
60.	आयुर्वेद और औषधीय पौधों के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना चलाना।	केएससीएसटीई-केरल वन अनुसंधान संस्थान, त्रिशूर	24.11.2022	23.11.2027	05 वर्ष	सहयोग परियोजना
61.	त्रिकटु परियोजना के लिए परियोजना समझौता ज्ञापन	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान	03.12.2022	02.12.2024	02 वर्ष	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना

		संस्थान एम्स, भुवनेश्वर				
62.	आईसीसीओएनएस की सुविधाओं को एनएआरआईपी के साथ साझा करना तथा एनएआरआईपी की सुविधाओं को आईसीसीओएनएस के साथ साझा करना। अनुसंधान उद्देश्य	संचार और संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान संस्थान, शोरनुर	16.12.2022	15.12.2027	05 वर्ष	सहयोग परियोजना
63.	1. रसा सिंधुर की साइटोटॉक्सिसिटी और जीनोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन करना । 2. इन विट्रो और इन विवो यानी ज़ेनोग्राफ़्ट और ऑर्थोटोपिक मॉडल में रस सिंधुर की कैंसर-रोधी क्षमता का मूल्यांकन करना । 3. डिम्बग्रंथि के कैंसर कोशिकाओं में रस सिंधुर के विस्तृत आणविक तंत्र को उजागर करना ।	सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान (आईआईसीबी), कोलकाता	04.01.2023	03.01.2025	02 वर्ष	• जनशक्ति की भर्ती। • साइटोटोक्सिसिटी अध्ययन • कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपी का उपयोग करके OVACR-3 में माइटोकॉन्ड्रियल झिल्ली क्षमता पर प्रभाव • OVACR-3 पर लाइव-डेड धुंधलापन • DCFH-DA डाई का उपयोग करके डिम्बग्रंथि के कैंसर सेल लाइनों OVCAR-3 पर ROS प्रेरित क्षमता। • DAPI धुंधलापन द्वारा 2008 और PEO1 कोशिकाओं पर अपोप्टोसिस प्रेरित क्षमता • 2008 सेल लाइनों में

						डीएनए क्षति प्रेरित क्षमता। • 2008 डिम्बग्रंथि के कैंसर कोशिकाओं में PARP1 अभिव्यक्ति पर रस सिंधुर का प्रभाव • PEO1 डिम्बग्रंथि के कैंसर कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रियल झिल्ली क्षमता पर रस सिंधुर का प्रभाव
64.	आयुर्वेद और औषधीय पौधों के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना चलाना।	केरल पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पूकोडे , वायनाड	10.01.2023	09.01.2028	05 वर्ष	सहयोग परियोजना
65.	आयुर्वेदिक प्रबंधन का नैदानिक मूल्यांकन - एक सहयोगात्मक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली	12.01.2023	11.07.2025	01 वर्ष 06 महीने	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना
66.	सिकल सेल एनीमिया में तीव्र दर्द संकट की रोकथाम के लिए एक अतिरिक्त आयुर्वेदिक हस्तक्षेप	दत्ता मेघा उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान	17.01.2023	16.01.2026	03 वर्ष	नैदानिक अनुसंधान
67.	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना	एसएलबीएसजी एमसी नेरचौक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी मंडी	18.01.2023	17.01.2026	03 वर्ष	प्रतिभागियों का नामांकन शुरू हो गया है
68.	टीएसजीओएमएल और	तेलंगाना सरकार ओरिएंटल	27.01.2023	26.01.2024	01 वर्ष	488 यूनानी पांडुलिपियों की

	आरआई, हैदराबाद में उपलब्ध यूनानी पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूची तैयार करना	पांडुलिपि पुस्तकालय और अनुसंधान संस्थान (टीएसजीओएमएल और आरआई), हैदराबाद				डिजिटल प्रति एकत्रित की गई, मेटाडेटा तैयार किया गया। मार्च 2024 में एक वर्णनात्मक सूची प्रकाशित की जाएगी
69.	स्वस्थ मनुष्यों में प्रकृति के आणविक हस्ताक्षरों को चित्रित करने के लिए सिस्टम बायोलॉजी	पैथोलॉजी विभाग, सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय, गंगटोक , सिक्किम	28.01.2023	27.01.2025	02 वर्ष	एसएमआईएमएस के पैथोलॉजी विभाग द्वारा अनुसंधान परियोजना के लिए बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता प्रदान की गई
70.	*इपोमोआ मॉरिटियाना* जैक - एक दुर्लभ औषधीय पौधे के इन विट्रो प्रसार और आनुवंशिक स्थिरता अध्ययन	श्री नीलकंठ सरकारी संस्कृत कॉलेज, पट्टांबी , पलक्कड़, केरल	03.02.2023	02.02.2026	03 वर्ष	सहयोग परियोजना
71.	फार्माकोग्नॉस्टिकल और फाइटोकेमिकल मापदंडों का उपयोग करके व्यापार में आयुर्वेद पौधों के कच्चे माल के लिए मिलावट / विकल्प की पहचान करना ।	सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान एनबीआरआई, लखनऊ	09.02.2023	08.02.2026	03 वर्ष	सहयोगात्मक आईएमआर जारी है
72.	घुटने के प्राथमिक	महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान	10.02.2023	09.02.2025	02 वर्ष	नैदानिक अनुसंधान

	ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन	विश्वविद्यालय, नासिक				
73.	घुटने के प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन	महात्मा गांधी आयुर्वेद कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, वर्धा , महाराष्ट्र	10.02.2023	09.02.2025	02 वर्ष	नैदानिक अनुसंधान
74.	घुटने के प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा : एक ओपीडी-आधारित अध्ययन	भारती आयुर्वेद विद्यापीठ आयुर्वेद कॉलेज , पुणे	10.02.2023	09.02.2025	20 वर्ष	नैदानिक अनुसंधान
75.	घुटने के प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन	सरकारी अखंडानंद आयुर्वेद कॉलेज, अहमदाबाद	10.02.2023	09.02.2025	02 वर्ष	नैदानिक अनुसंधान
76.	ई-1 अनुसूची के नौ विषैले औषधीय पौधों के लिए शोधन के स्पष्टीकरण में	सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान	14.02.2023	13.02.2026	03 वर्ष	सहयोगात्मक आईएमआर जारी है

	यांत्रिक अध्ययन।	संस्थान एनबीआरआई और संभलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा				
77.	घुटने के प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: स्मार्ट कार्यक्रम के तहत एक ओपीडी-आधारित अध्ययन।	1. उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, गुरुकुल परिसर, हरिद्वार , यूके 2. राजीव गांधी सरकारी स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल पपरोला , जिला। कांगड़ा - एचपी 3. पारुल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद , पारुल यूनिवर्सिटी, एपी लिम्दा , ताल वाघोडिया , वडोदरा - गुजरात 4. फैकल्टी ऑफ आयुर्वेद, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू), वाराणसी - यूपी	17.02.2023	16.02.2025	02 वर्ष	बहुकेन्द्रीय सहयोगात्मक नैदानिक अनुसंधान परियोजना

78.	आयुर्वेदिक उपचार की सहनशीलता, उपचार अनुपालन और सुरक्षा पर नैदानिक अध्ययन - धात्री लौह की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में लौहा का योगदान : एक ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन	चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान , राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार , और एमएसएम आयुर्वेद संस्थान, बीपीएस महिलाविश्वविद्यालय , सोनीपत , हरियाणा और राजीव गांधी सरकारी पीजी आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल, पपरोला , और शुभदीप आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीजी संस्थान), इंदौर, मध्य प्रदेश	17.02.2023	16.02.2025	02 वर्ष	स्मार्ट आईडीए के अंतर्गत सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना
79.	आयुर्वेदिक औषधीय पादपों की फील्ड और हाइड्रोपोनिक खेती का तुलनात्मक मूल्यांकन	आईसीएआर-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान आईआईएचआर, बेंगलुरु	17.02.2023	16.02.2026	03 वर्ष	उपर्युक्त अनुसंधान परियोजना
80.	फेफड़े, यकृत और मस्तिष्क कोशिकाओं पर SARS-CoV-	भारतीय प्रौद्योगिकी	21.02.2023	20.02.2025	02 वर्ष	1. समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।

	2 म्यूटेंट के लिए आयुष-64 और आयुष क्वाथ का मूल्यांकन आयुष-64 और आयुष क्वाथ का मूल्यांकन	संस्थान (आईआईटी), इंदौर, मध्य प्रदेश				2. परियोजना स्वीकृत हो चुकी है। 3. संस्थान को धनराशि हस्तांतरित हो चुकी है। 4. परियोजना की तैयारी का कार्य प्रगति पर है।
81.	स्थिर कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) में मानक देखभाल के अतिरिक्त आयुर्वेद उपचार (हृदयार्णव रस और हरित्यक्यादि योग) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन ग्लोबल लॉन्गीट्यूडिनल स्ट्रेन इमेजिंग तकनीक (जीएलएसआईटी) के माध्यम से किया गया - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (अध्ययन कोड: एमएचसी/सीटी/20-21/021)	माधवबाग कार्डियक केयर क्लीनिक और अस्पताल ठाणे, महाराष्ट्र	22.02.2023	21.02.2026	03 वर्ष	नैदानिक अनुसंधान
82.	आयुर्वेद में प्रयुक्त हाइड्रोपोनिक और खेत में उगाए जाने वाले औषधीय पौधों पर एक तुलनात्मक अध्ययन।	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी।	23.02.2023	23.02.2025	02 वर्ष	सहयोगात्मक आईएमआर जारी है
83.	आयरन की कमी वाले एनीमिया के प्रबंधन में द्राक्षावलेह की सहनशीलता, उपचार अनुपालन और	(1) केएचईआर का श्री बीएम कंकनवाड़ी आयुर्वेद महाविद्यालय ,	27.02.2023	27.02.2026	03 वर्ष	परियोजना शीघ्र ही शुरू की जाएगी। सीटीआरआई पंजीकरण पूरा हो चुका है। बजट जारी कर

	सुरक्षा : एक खुला लेबल एकल भुजा नैदानिक अध्ययन	बेलगावी (2) इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन, बेंगलुरु, (3) श्री श्री कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड रिसर्च, बेंगलुरु और (4) श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल, हासन				दिया गया है तथा सभी 04 सहभागी संस्थानों को हस्तांतरित कर दिया गया है।
84.	मध्यम रूप से कुपोषित बच्चों में स्वर्णप्राशन की प्रतिरक्षा-नियंत्रण गतिविधि का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रण नैदानिक अध्ययन	संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई एमएस), लखनऊ	01.03.2023	01.09.2025	2 वर्ष 06 महीने	चालू परियोजना
85.	आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में पुनर्नवादि मंडुरा की सहनशीलता, उपचार अनुपालन और सुरक्षा : एक ओपन लेबल सिंगल आर्म क्लिनिकल अध्ययन	1.पारुल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद एंड रिसर्च, पारुल यूनिवर्सिटी, गुजरात 2.संत ज्ञानेश्वर शिक्षण संस्था का , माननीय. श्री अन्नासाहेब डांगे आयुर्वेद	01.03.2023	01.03.2026	03 वर्ष	• क्लिनिकल अनुसंधान • अन्वेषकों का प्रशिक्षण • आईईसी सदस्यों का प्रशिक्षण

		मेडिकल कॉलेज, महाराष्ट्र। 3.यशवंत आयुर्वेदिक कॉलेज, कोल्हापुर, महाराष्ट्र 4. महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक (महाराष्ट्र)।				
86.	सामान्यीकृत चिंता विकार में आयुष एसआर के उपचार अनुपालन और सहनशीलता का आकलन करने के लिए एक बहु केंद्र अध्ययन	1) आदिचुंचनगिरी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल अनुसंधान केंद्र, बेंगलुरु 2) श्री। श्री. कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड रिसर्च, बेंगलुरु 3) श्री बीएम कंकनावाड़ी आयुर्वेद महाविद्यालय , बेलगावी 4) वीपीएसवी आयुर्वेद कॉलेज, कोट्टक्कल	04.03.2023	03.03.2025	02 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना
87.	*पंचवल्कल* -05 औषधीय पौधों के जैवसक्रिय यौगिकों	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु	06.03.2023	05.03.2025	02 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना

	पर मौसमी बदलाव का अध्ययन					
88.	कर्नाटक के पारंपरिक खाद्य व्यंजनों का दस्तावेजीकरण और आयुर्वेद और पोषण संबंधी परिप्रेक्ष्य के साथ उनका सत्यापन	ट्रांस-डिसिप्लिनरी हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु	06.03.2023	05.09.2025	02 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना
89.	सोरायसिस के प्रबंधन में आयुर्वेदिक योगों की उपचार सहनशीलता, औषधि अनुपालन और सुरक्षा : एक ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन	1. सरकारी आयुर्वेद कॉलेज, वडोदरा 2. जेएस आयुर्वेद महाविद्यालय , नडियाद 3. सरकारी स्वायत्त आयुर्वेद कॉलेज और अस्पताल, जबलपुर 4. अल्वा का आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, विद्यागिरि , मूडुबिदिरे	06.03.2023	05.03.2026	03 वर्ष	1. समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। 2. परियोजना को मंजूरी मिल गई है । 3. कॉलेजों को धनराशि हस्तांतरित कर दी गई है। 4. परियोजना का प्रारंभिक कार्य प्रगति पर है। 5. सभी चार अध्ययन स्थलों पर आईईसी की अनुमति प्राप्त हो गई है।
90.	सोरायसिस के प्रबंधन में आयुर्वेद योगों की उपचार सहनशीलता, औषधि, अनुपालन और सुरक्षा - एक ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन	वैद्यरत्नम आयुर्वेद कॉलेज, ओल्लूर सरकारी आयुर्वेद कॉलेज कन्नूर वैद्यरत्नम आयुर्वेद कॉलेज, कोट्टाकल पंकजकस्तूरी	06.03.2023	05.03.2026	03 वर्ष	नैदानिक अनुसंधान से संबंधित गतिविधियाँ

		आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम				
91.	अनुक्त द्रव्य पादपों का जलीय और हाइड्रोअल्कोहोलिक निष्कर्षण और विभिन्न रोगों के लिए उनकी चिकित्सीय प्रभावकारिता का मूल्यांकन	संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा	09.03.2023	07.03.2025	02 वर्ष	परियोजना स्टाफ की भर्ती, पौधों का संग्रह, पाउडर बनाना, निष्कर्षण, फाइटोकेमिकल विश्लेषण, फार्माकोग्नॉस्टिक पैरामीटर
92.	डिम्बग्रंथि के कैंसर में कंचनार गुग्गुलू ट्यूमर स्फेरोइड्स में और इन-विवो मॉडल में कैंसर-रोधी क्षमता, इन-सिलिको औषधीय विश्लेषण और आणविक तंत्र का मूल्यांकन	सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, कोलकाता	10.03.2023	09.03.2025	02 वर्ष	प्रीक्लिनिकल आईएमआर सहयोगी परियोजना
93.	क्षय रोग में सहायक चिकित्सा के लिए आयुष मार्ग के माध्यम से वासा के पत्तों का पूर्व-नैदानिक विकास, ताकि क्षय रोग रोधी उपचार (एटीटी) से प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी को कम किया जा सके।	सीएसआईआर - केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ और भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान सीएसआईआर-जम्मू	13.03.2023	12.03.2025	02 वर्ष	सहयोगात्मक आईएमआर जारी है
94.	धात्री लौह की प्रीक्लिनिकल विषाक्तता	सीएसआईआर – केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	13.03.2023	12.03.2025	02 वर्ष	सहयोगात्मक आईएमआर जारी है

95.	आयुष मार्ग के माध्यम से गुडुची तने का पूर्व-नैदानिक विकास, ताकि क्षय रोग रोधी उपचार (एटीटी) से प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी को कम किया जा सके।	सीएसआईआर - केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ और भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान सीएसआईआर-जम्मू	13.03.2023	12.03.2025	02 वर्ष	सहयोगात्मक आईएमआर जारी है
96.	आयुष मार्ग के माध्यम से आमलकी फल का पूर्व-नैदानिक विकास, ताकि क्षय रोग रोधी उपचार (एटीटी) से प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी को कम किया जा सके।	सीएसआईआर - केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ और भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान सीएसआईआर-जम्मू	13.03.2023	12.03.2025	02 वर्ष	सहयोगात्मक आईएमआर जारी है
97.	आयुर्वेदिक प्रबंधन की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन - एक यादृच्छिक खुला लेबल नियंत्रण परीक्षण	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली	14.03.2023	13.03.2026	03 वर्ष	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना
98.	प्रायोगिक पशुओं में स्वस्कुथार रस की विषाक्तता प्रोफ़ाइल	सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	14.03.2023	13.03.2026	03 वर्ष	सहयोग परियोजना
99.	नियामक अपेक्षाओं के अनुसार रसमाणिक्य रस	सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान	14.03.2023	13.03.2026	03 वर्ष	• मानव शक्ति की भर्ती पूरी हो गई है। • तीव्र त्वचीय

	निर्माण की प्रणालीगत सुरक्षा/विषाक्तता प्रोफ़ाइल, यदि कोई हो, का आकलन करना । अध्ययन, प्रमुख प्रणालीगत विषाक्त प्रभावों, लक्षित अंगों और कोई अवलोकित प्रभाव स्तर (NOEL) / कोई अवलोकित प्रतिकूल प्रभाव स्तर (NOAEL) का अनुमान और रसमाणिक्य के साथ उपचार बंद करने के बाद देखे गए परिवर्तनों, यदि कोई हो, की प्रतिवर्तीता के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं।	अनुसंधान संस्थान (आईआईटीआर) , लखनऊ				विषाक्तता, तीव्र मौखिक विषाक्तता और उप-तीव्र विषाक्तता अध्ययन पूरे हो गए हैं। • इन विट्रो माइक्रोन्यूक्लियस परीक्षण और इन विट्रो मैमलियन क्रोमोसोमल एबेरेशन परीक्षण पूरे हो गए हैं। विस्टार चूहे में रसमणिक्य रस की 180 दिनों की दोहराई गई खुराक मौखिक विषाक्तता अध्ययन प्रगति पर है।
100.	आयुर्वेद हस्तक्षेप की प्रभावकारिता (पुष्कर गुग्गुलु और हरीतकी) स्थिर कोरोनरी धमनी रोग में मानक देखभाल के अतिरिक्त: एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली	14.03.2023	13.03.2027	04 वर्ष	मार्च 2024 में कार्डियोलॉजी विभाग में सहयोगात्मक नैदानिक अनुसंधान कार्य शुरू किया जाएगा
101.	मधुका लॉन्गीफोलिया (फूल) आधारित खाद्य नुस्खा (उत्पाद विकास) का विकास और इसके पोषण, विषाक्तता, प्रभावकारिता और जैव उपलब्धता	आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान, तारानाका , हैदराबाद	17.03.2023	16.03.2025	02 वर्ष	परियोजना की शुरुआत अप्रैल 2023 में होगी और काम जारी है

	अध्ययन					
102.	ओपंटिया इलाटोइर (फल) आधारित खाद्य व्यंजन (उत्पाद विकास) का विकास और इसके पोषण, विषाक्तता, प्रभावकारिता और जैव उपलब्धता अध्ययन।	आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान, तारानाका , हैदराबाद	17.03.2023	16.03.2025	02 वर्ष	परियोजना अप्रैल 2023 में शुरू की गई। काम जारी है
103.	मोटर, संवेदी, स्मृति और संज्ञानात्मक मापदंडों में स्वस्थ व्यक्तियों में एफएमआरआई के माध्यम से प्राप्त। माशा नस्य कर्म प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन	अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोच्चि	17.03.2023	16.03.2025	02 वर्ष	सहयोग परियोजना
104.	डिस्लिपिडेमिया के प्रबंधन में आयुर्वेदिक योगों की उपचार सहनशीलता, दवा अनुपालन और सुरक्षा पर नैदानिक अध्ययन	1. श्री धन्वंतरि आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल (एसडीएसीएच) चंडीगढ़। 2. देश भगत आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल (डीबीएसीएच), मंडी गोबिंदगढ़ , पंजाब 3. सरकारी (स्वायत्त) आयुर्वेद कॉलेज	17.03.2023	16.03.2026	03 वर्ष	1. समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। 2. परियोजना स्वीकृत हो चुकी है। 3. कॉलेजों को धनराशि हस्तांतरित हो चुकी है। 4. परियोजना का प्रारंभिक कार्य प्रगति पर है।

		और अस्पताल (जीएसीएच"), रीवा , मध्य प्रदेश। 4. डॉ. डीवाई पाटिल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड रिसर्च सेंटर, पुणे, महाराष्ट्र				
105.	सिकल सेल रोग के प्रबंधन में हाइड्रोक्सीयूरिया के सहायक के रूप में आयुर्वेदिक उपचार की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए संभावित, यादृच्छिक, ओपन-लेबल, ब्लाइंडेड एंड पॉइंट अन्वेषणात्मक नैदानिक अध्ययन	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स, भोपाल, मध्य प्रदेश	17.03.2023	16.03.2026	03 वर्ष	1. समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। 2. परियोजना स्वीकृत हो चुकी है। 3. संस्थान को धनराशि हस्तांतरित हो चुकी है। 4. सी.टी.आर.आई. का निर्माण हो चुका है। 5. मरीजों के लिए नामांकन शुरू हो चुका है।
106.	प्रायोगिक पशुओं में मृत्युंजय रस की विषाक्तता प्रोफ़ाइल	सीएसआईटी-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-आईआईटीआर), लखनऊ, उत्तर प्रदेश।	20.03.2023	19.03.2026	03 वर्ष	1. परियोजना स्वीकृत हो गई है। 2. समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो गए हैं। 3. सीएसआईआर-आईआईटीआर को धनराशि हस्तांतरित कर दी गई है। 4. परियोजना का प्रारंभिक कार्य प्रगति पर है।
107.	रुमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) के प्रबंधन में	1. आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज	21.03.2023	20.03.2026	03 वर्ष	1. IEC और CTRI पूर्ण। 2. सभी केंद्रों पर SRF की भर्ती की गई । 3.

	आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपन लेबल, ओपीडी-आधारित, बहु-केंद्र अध्ययन	एवं अस्पताल (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार) 2. पं. खुशीलाल शर्मा राजकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं संस्थान 3. श्री कालब्रयवेश्वर स्वामी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केंद्र 4. तिलक आयुर्वेद महाविद्यालय , पुणे डाक पता: 583/2, रास्ता पेठ , पुणे				मुख्यालय से दिनांक 23.03.2023 को स्वीकृत राशि कार्यालय आदेश संख्या 1460/2022-23 के साथ चार प्रतिभागी संस्थानों को 30.03.2023 को जारी की गई। 4. RARI, पटना में पहली तिमाही का बजट मांगा गया और प्राप्त हुआ। 5. सभी केंद्रों पर NABL लैब की पहचान प्रक्रिया पूरी हुई । 6. क्लिनिकल ट्रायल बीमा मामले को अंतिम रूप दिया गया । 7. प्रोजेक्ट CRF, E-CRF और PIS को अंतिम रूप दिया गया । 8. आरएआरआई, पटना द्वारा अन्वेषक और परियोजना कर्मचारियों के लिए एक संवेदीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 9. अन्वेषक (पीआई और सह-I) और एसआरएफ के लिए ऑनलाइन रुमेटोलॉजिस्ट प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 10. सभी केंद्रों पर प्रतिभागियों

						का नामांकन शुरू हो गया है । 11. आरएआरआई, पटना द्वारा फरवरी-2024 की मासिक रिपोर्ट मुख्यालय को प्रस्तुत की गई।
108.	अष्टांगहृदय की वाक्यप्रदीपिका टीका का अनुवाद और लिप्यंतरण	वैद्यरत्नम पीएस वारियर्स आर्य वैद्य शाला, कोट्टाकल , केरल	23.03.2023	23.09.2025	2 वर्ष 06 महीने	परियोजना के अनुसार अनुवाद गतिविधियाँ
109.	आयुर्वेद नुस्खों का निर्माण एवं उत्पाद विकास तथा चयनित उत्पादों का पोषण मूल्यांकन	सीएसआईआर - केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूर	23.03.2023	22.03.2026	03 वर्ष	अनुसंधान परियोजना
110.	बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सहायक चिकित्सा के रूप में स्वर्णप्राशन की प्रभावकारिता, सुरक्षा और विषाक्तता पर प्रीक्लिनिकल अध्ययन	आईसीएमआर - राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईआरआर सीएच), मुंबई	24.03.2023	23.03.2026	03 वर्ष	नैदानिक अनुसंधान
111.	महाराष्ट्र में पारंपरिक आहार खाद्य पदार्थों का सेवन करने वाली स्तनपान कराने वाली महिलाओं में अस्थि खनिज घनत्व के	आईसीएमआर - राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान	27.03.2023	26.03.2026	03 वर्ष	नैदानिक अनुसंधान

	उत्क्रमण में *मुक्ता शुक्ति भस्म और सौभाग्य शुंटी चूर्ण का प्रभाव*: एक यादृच्छिक नियंत्रित प्रारंभिक नैदानिक अध्ययन	(एनआईआरआर सीएच), मुंबई				
112.	बल्लभगढ़ जिले में बुजुर्ग आबादी के बीच जीवन की गुणवत्ता पर आयुर्वेद आहार के 1 उत्तरदाता प्रतिबंधित अध्ययन की एक खोजपूर्ण श्रृंखला - एक समुदाय-आधारित अध्ययन।”	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली	28.03.2023	27.09.2025	02 वर्ष 06 महीने	समुदाय आधारित सहयोगात्मक नैदानिक अनुसंधान परियोजना
113.	फाइटोकेमिकल्स आयुर्वेदिक औषधीय निर्माण की प्रोफाइलिंग और उनके एकत्रीकरण व्यवहार को समझना।	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर	29.03.2023	29.03.2025	02 वर्ष	सहयोगात्मक आईएमआर जारी है
114.	फाइलेरिया रोगियों के उपचार के लिए इंटीग्रेटिव मेडिसिन प्रोटोकॉल के साथ आरएआरआई लखनऊ में एलएफएमएमडीपी का एक क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने और अध्ययन करने के लिए समझौता ज्ञापन।	इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड डर्मेटोलॉजी (आईएडी), केरल	26.04.2023	25.04.2025	02 वर्ष	कार्य चल रहा है।
115.	आयुर्वेद और औषधीय पौधों के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना चलाना।	राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र , पूजापुरा , तिरुवनंतपुरम	22.06.2023	21.06.2028	05 वर्ष	सहयोग परियोजना
116.	*इनसिलिको* नेटवर्क	उन्नत कंप्यूटिंग	05.12.2023	04.12.2026	03 वर्ष	सहयोगात्मक

	फार्माकोलॉजी अध्ययन।	विकास केंद्र (सी-डैक), पुणे				आईएमआर जारी है
117.	कार्यात्मक अपच वाले रोगियों में लक्षण की गंभीरता को कम करने में अविपत्तिकर चूर्ण और चित्रकादि वटी बनाम पीपीआई की प्रभावकारिता एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर	12.12.2023	11.12.2026	03 वर्ष	सहयोगात्मक परियोजना
118.	शुंठी चूर्ण , वैश्वानर चूर्ण , अश्वगंधा जलीय अर्क, अश्वगंधा हाइड्रोअल्कोहॉलिक अर्क, और द्राक्षावलेह को डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवा के साथ सहवर्ती प्रशासन पर फार्माकोकाइनेटिक अंतःक्रियाएं ।	राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर), कोलकाता	05.01.2024	04.08.2024	08 महीने	प्री-क्लीनिकल फार्माकोलॉजी अनुसंधान
119.	कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्ट (सीएबीजी) सर्जरी कराने वाले वयस्क रोगियों में जैव रासायनिक, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक मापदंडों पर हृदय पुनर्वास के लिए सामान्य देखभाल के सहायक के रूप में आयुष एसआर के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रण	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली	20.01.2024	19.01.2027	03 वर्ष	सहयोगात्मक नैदानिक परियोजना

	अध्ययन					
120.	एसडीएम, हासन में आयुर्वेद पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण, वर्णनात्मक सूची तैयार करना और अप्रकाशित आयुर्वेद पांडुलिपियों पर आगे का कार्य करना।	श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल, हसाम, कर्नाटक	30.01.2024	29.01.2026	02 वर्ष	कार्य अप्रैल में शुरू हुआ
121.	कोडेड फार्मुलेशन आयुष - पीटीके के तीव्र और नब्बे दिनों की दोहराई गई खुराक (सब-क्रॉनिक) मौखिक विषाक्तता अध्ययन ।	पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, असम कृषि विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	16.03.2024	15.03.2025	01 वर्ष	परियोजना कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए सहयोगी संस्थान पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, गुवाहाटी को 11,94,720 रुपये (ग्यारह लाख चौरानबे हजार सात सौ बीस रुपये) की पहली किस्त हस्तांतरित कर दी गई है।
122.	टिकाऊ औषधीय जोंक खेती प्रौद्योगिकी का मानकीकरण और इसके भंडारण, परिवहन और चिकित्सीय अनुप्रयोग के लिए एसओपी का विकास।	आईसीएआर-केंद्रीय ताजाजल जलकृषि संस्थान (सीआईएफए), भुवनेश्वर	16.03.2024	15.03.2026	02 वर्ष	सहयोगात्मक परियोजना
123.	चयनित हर्बल फॉर्मूलेशन की एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक गतिविधि के तंत्र को स्पष्ट करना।	इंटरएक्टिव रिसर्च स्कूल फॉर हेल्थ अफेयर्स (आईआरएसएचए), पुणे	19.03.2024	18.03.2026	02 वर्ष	सहयोगात्मक संस्थान को धनराशि हस्तांतरित की गई। CARI झांसी के साथ परीक्षण औषधियों के प्रेषण पर चर्चा।

124.	आयुष के मूल्यांकन के लिए बहुआयामी औषधि खोज दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए उच्च एल्टीट्यूड पर होने वाली बीमारी के उपचार के लिए आयुष रसायन बी और नेटवर्क फार्माकोलॉजी, सिलिको उपकरण, आणविक स्क्रीनिंग, इन विवो प्रयोगों का उपयोग करके चयनित प्राकृतिक दवाओं की क्रिया की क्षमता और तंत्र का मूल्यांकन करना।	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) वाराणसी, आईआईटी(बीएचयू), वाराणसी	19.03.2024	18.03.2027	03 वर्ष	परीक्षण दवा का अनुरोध किया गया है और जनशक्ति भर्ती के लिए विज्ञापन दिया गया है, आगे के प्रयोग जल्द ही शुरू किए जाएंगे
125.	फाइटो केमिकल, क्रोमेटोग्राफिक और स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियां (टीएलसी,एचपीएलसी और एलसीएमएस) के माध्यम से आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन, आयुष-64 का लक्षण वर्णन ।	राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर), कोलकाता	20.03.2024	19.09.2025	01 वर्ष	प्री-क्लीनिकल फार्माकोलॉजी अनुसंधान
126.	हृदय संबंधी मापदंडों पर प्रभाकरवटी के प्रभाव का मूल्यांकन	केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) - लखनऊ, उत्तर प्रदेश	20.03.2024	19.03.2026	02 वर्ष	परियोजना
127.	दो आशाजनक अतिरिक्त फार्माकोपियाल (अनुक्त द्रव्य) पौधों का जलीय और इथेनॉलिक निष्कर्षण)	शिक्षा 'ओ' अनुसंधान एसओए, भुवनेश्वर	20.03.2024	20.03.2026	02 वर्ष	सहयोगात्मक परियोजना

	अध्ययन तथा उनकी सूजन रोधी और घाव भरने वाली गतिविधियों का मूल्यांकन।					
128.	मिर्गी मॉडल में बृहमी घृत , पंचगव्यधृत और आयुष 56 की न्यूरोप्रोटेक्टिव क्षमता का मूल्यांकन घृत और इसका कार्यात्मक महत्व और तंत्र।	सीएसआईआर- भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, कोलकाता	21.03.2024	20.03.2026	02 वर्ष	प्रीक्लिनिकल आईएमआर सहयोगी परियोजना
129.	जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के विद्यार्थियों में बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए तपेदिक, एनीमिया , हीमोग्लोबिनोपैथी और कुपोषण पर विशेष ध्यान देने के साथ सामान्य स्वास्थ्य जांच और आयुर्वेदिक हस्तक्षेप ।	आईसीएमआर- राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, जबलपुर	22.03.2024	21.03.2027	03 वर्ष	सहयोगात्मक परियोजना
130.	आयुर्वेदिक प्रकृति के आणविक आधार को समझने की दिशा में माइटो - न्यूक्लियर जीन विविधताओं की रूपरेखा तैयार करके माइटोकॉन्ड्रियल कार्य को स्पष्ट करना।स्वास्थ्य और दीर्घायु का निर्धारक।	आईसीएमआर- क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, भुवनेश्वर	26.03.2024	25.03.2027	03 वर्ष	सहयोगात्मक परियोजना

131.	चूहों में प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित मायोकार्डियल रोधगलन पर पुष्कर गुग्गुलु का कार्डियोप्रोटेक्टिव नामक आईएमआर परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।	मद्रास पशुचिकित्सा महाविद्यालय, तनुवास, चेन्नई।	15.04.2024	परियोजना के प्रारंभ से 18 माह तक	2 वर्ष 06 महीने	इंट्रा म्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट में हिस्टोपैथोलॉजी और बायोकेमिकल मूल्यांकन
132.	उत्कर्ष के अंतर्गत पांच जिलों में आयुर्वेद उपायों के माध्यम से किशोरियों में एनीमिया नियंत्रण।	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली; राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एनआईए, जयपुर और आईआईपीएच-दिल्ली	23.4.2024	22.4.2026	02 वर्ष	सहयोगात्मक बहु-केन्द्रीय परियोजना शुरू की गई है
133.	टाइप-II डायबिटीज न्यूरोपैथी के चूहे मॉडल में वसंतकुसुंकरा रस के न्यूरोप्रोटेक्टिव और एंटीऑक्सीडेंट प्रभावों का मूल्यांकन।	पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, असम कृषि विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	15.05.2024	14.11.2025	01 वर्ष 06 महीने	सहयोगात्मक परियोजना
134.	आयुष उद्योग में उद्यमिता : आयुष उत्पाद एवं सेवाओं में प्रबंधन एवं व्यावसायीकरण सिद्धांत।	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली	14.06.2024	14.06.2027	02 वर्ष	आयुष उद्योग में उद्यमिता का एक व्यापक दस्तावेजीकरण जिसमें सभी डोमेन (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और सोवा रिग्पा) शामिल हैं

135.	*ड्रोसोफिला* और चूहे के पशु मॉडल का उपयोग करके उम्र बढ़ने और अल्जाइमर रोग की प्रक्रिया में *डायोस्कोरिया* की चयनित प्रजातियों की सुरक्षात्मक क्षमता की खोज करना	सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय , पुणे	06.07.2024	05.07.2026	02 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना
136.	*एल्शोल्ट्ज़िया प्रजातियों* के गुणवत्ता मानकों का विकास और गैस्ट्रिक सूजन संबंधी स्थितियों में प्रभावकारिता का आकलन (*इन-विट्रो* और *इन-विवो* मॉडल)	राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी	22.07.2024	21.07.2027	03 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना
137.	आयुर्वेदिक योगों के माध्यम से एंटीबायोटिक प्रतिरोधी आंत रोगजनक-प्रेरित एसिड पेप्टिक रोग को लक्षित करना	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर	10.10.2024	09.10.2026	02 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना
138.	अधिक वजन और मोटापे में निरंतर वजन घटाने के लिए एक अतिरिक्त हस्तक्षेप के रूप में त्रिफला का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण	राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान, बेलगावी	30.10.2024	29.10.2027	03 वर्ष	सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस)						
सीसीआरएएस के अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों का विवरण						
क्र.सं	**समझौता ज्ञापन का शीर्षक**	**सहयोगी संस्थान का नाम**	**समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तिथि**	**समझौता ज्ञापन की समाप्ति की तिथि**	**अवधि**	**समझौता ज्ञापन के तहत की गई गतिविधियां**
1.	चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग के लिए सभी अनुसंधान परिषदों - केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) , केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस), केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन) और राष्ट्रीय प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान केंद्र (एनसीएनपीआर**)** और मिसिसिपी विश्वविद्यालय, यूएसए के बीच समझौता ज्ञापन।	**यूएसए**	12.10.2015 (स्वतः ही अगले 5 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया)	11.10.2025	**5 वर्ष**	• 5 उपयुक्त प्रस्ताव (अवधारणा नोट) दिनांक 31.01.2018 को आयुष मंत्रालय को भेज दिए गए हैं। • एनसीएनपीआर ने 24-27 अप्रैल 2023 को ऑक्सफोर्ड, मिसिसिपी में एनसीएनपीआर और एफडीए द्वारा आयोजित वनस्पति विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसबी) का आयोजन किया है।
2.	आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत गणराज्य सरकार और **लातविया विश्वविद्यालय के बीच**	**लातविया**	19.08.2016 (स्वतः ही अगले 3 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया)	18.08.2025	**3 वर्ष**	आयुर्वेद चेयर के आदेशानुसार गतिविधियां की गई हैं, जैसे (अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, व्याख्यान, प्रदर्शनी, योग सेमिनार कक्षा, आदि)।

	आयुर्वेद में एक "अकादमिक चेयर" की स्थापना पर समझौता ज्ञापन					
3.	आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद , आयुष मंत्रालय, भारत गणराज्य की सरकार और **इंस्टीट्यूटो आयुर्वेदा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन** आयुर्वेद में एक "अकादमिक चेयर" की स्थापना पर **यूनिवर्सिटेरियो डेल ग्रान रोसारियो और फाउंडेशन डी सलूद आयुर्वेद प्रेमा की सरकार**	**अर्जेंटीना**	30.11.2016 (स्वतः ही 3 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया)	29.11.2025	**3 वर्ष**	फाउंडेशन डी सलूड आयुर्वेद प्रेमा के निदेशक डॉ. जॉर्ज लुइस बेरा ने चरक संहिता और सुश्रुत संहिता के स्पेनिश अनुवाद के लिए एक प्रस्ताव भेजा है।
4.	अनुसंधान और विकास में सहयोग के लिए केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत गणराज्य सरकार और तेल अवीव सोरास्की मेडिकल सेंटर (टीएएसएमसी) के चिकित्सा अनुसंधान अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवा कोष के बीच **समझौता** ज्ञापन	**इजराइल**	30.11.2016 (स्वतः ही 5 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया)	29.11.2026	**5 साल**	आयुर्वेद चेयर के शामिल न होने के कारण कोई गतिविधि नहीं हुई है।
5	आयुर्वेद में एक अकादमिक चेयर की स्थापना के लिए केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत गणराज्य सरकार और मॉरीशस	**मॉरीशस**	12.03.2018 (स्वतः ही 3 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया)	11.03.2027	**3 वर्ष**	• 27.05.2022 को राष्ट्रीय कैबिनेट द्वारा अनुमोदित, कक्षा 1 से 6 तक के **प्राथमिक स्कूल पाठ्यक्रम में आयुष कल्याण कार्यक्रमों** को डिजाइन करना और

	विश्वविद्यालय, **शिक्षा और मानव संसाधन मंत्रालय, तृतीयक शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान, मॉरीशस के बीच** एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।					शामिल करना । • **आयुर्वेद और अन्य वैकल्पिक चिकित्सा अधिनियम 37, 1989 में सिद्ध और यूनानी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को शामिल करना** , 2022 के वित्तीय विधेयक XIV में राष्ट्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित। भारत के बाद मॉरीशस आयुष के पूर्ण स्पेक्ट्रम को मंजूरी देने वाला एकमात्र देश है । • मॉरीशस गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास, राज्य भवन में **80 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों वाला एक आयुर्वेदिक उद्यान होगा ।** • दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की घोषणा के अनुसार कोटेड में **आयुष उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जाएगी या फिर इसे तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।** जनवरी, 2022 में स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्रालय को प्रारंभिक बुनियादी ढांचे और जनशक्ति की आवश्यकता प्रस्तुत की गई थी। • **एमआरआईसी की**

						अनुदान सहायता के तहत मॉरीशस में औषधीय पौधों पर एक **परियोजना** शुरू की गई है । मॉरीशस पक्ष के साथ कई बैठकों के बाद ग्वालियर और झांसी इकाई में मार्कर यौगिकों की पहचान के साथ फाइटोकेमिकल मानकीकरण के लिए 10 पौधों की प्रजातियों को अंतिम रूप दिया गया है।
6	आयुर्वेद में अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) आयुष मंत्रालय भारत गणराज्य की सरकार और न्यूरोलॉजी और पूरक चिकित्सा विभाग, **लूथरन अस्पताल, हैटिंगन** के बीच समझौता ज्ञापन ।	**जर्मनी**	03.04.2019 (स्वतः ही 5 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया)	02.04.2025	**5 साल**	डेटा संग्रहण हेतु ड्राफ्ट फार्मेट जर्मनी के साथ साझा किया जाएगा।
7	सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, भारत गणराज्य सरकार और कैंसर पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा कार्यालय (**ओसीसीएएम**), राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एनआईएच, स्वास्थ्य और	**यूएसए**	22.10.2020	2025	**5 साल**	1 संयुक्त परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, 4 वेबिनार और 2 प्रशिक्षण आयोजित किए गए।

	मानव सेवा विभाग, यूएसए सरकार के बीच आशय पत्र। 27.10.2020 को आयोजित तीसरे भारत-अमेरिका मंत्रिस्तरीय संवाद के दौरान आशय पत्र की घोषणा की गई ।					
8	सेंट्रल काउंसिल फॉर आयुर्वेदिक साइंसेज (CCRAS) और यूनिवर्सिडैड ऑटोनोमा डी नुएवो लियोन, **मैक्सिको के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए ।**	**मेक्सिको**	19.04.2022	2025	**3 वर्ष**	कार्यकाल के दौरान कोई गतिविधि नहीं की गई है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए)						
राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों का विवरण						
1.	संयुक्त दोहरी डिग्री पीएचडी कार्यक्रम	वैज्ञानिक और नवीन अनुसंधान अकादमी (एसीएसआईआर)	21.04.2022	20.04.2027	05 वर्ष	हाइड्रोअल्कोहलिक अर्क/जलीय अर्क के कैंसर विरोधी प्रभावों पर अध्ययन कोलोरेक्टल कैंसर और लिवर मेटास्टेसिस में पिप्पली, सर्पुंखा और रोहितक : इन विट्रो इन विवो (जारी है)
2.	कैंसर रोधी औषध अध्ययन	कैंसर के उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र (ACTREC) टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई	2.09.2022	01.09.2027	05 वर्ष	नॉन स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में AYUR-LC (नवीन आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन) का कैंसर विरोधी प्रभाव: इन विवो अध्ययन (जारी है)
3.	औषधि विकास एवं अनुसंधान	राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) हाजीपुर	23.02.2023	22.02.2026	03 वर्ष	रुद्राक्ष (एलियोकार्पस गैनिट्रस रॉक्सब) की एंटी हाइपरटेंसिव गतिविधि का मानकीकरण और मूल्यांकन): एक पूर्व नैदानिक अध्ययन (पूरा हुआ) **एनआईपीईआर-**

						हाजीपुर में किए गए अध्ययनों के प्रमुख निष्कर्ष -औषधीय अध्ययनों से पता चला है कि, *रुद्राक्ष चूर्ण* (450 मिलीग्राम/ किग्रा/दिन) और *रुद्राक्ष घाना* (225 मिलीग्राम/ किग्रा/दिन) के सेवन से सात सप्ताह तक अल्कोहल-नमक प्रेरित उच्च रक्तचाप वाले चूहों में सिस्टोलिक और डायस्टोलिक रक्तचाप को कम करने में अत्यधिक महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए।
4.	शैक्षणिक गतिविधियाँ	बीवीजी लाइफ साइंसेज पुणे	22.02.2024	21.02.2027	03 वर्ष	सहायक चिकित्सा के रूप में हल्के से मध्यम उच्च रक्तचाप में पॉलीहर्बल फॉर्मूलेशन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का

						मूल्यांकन: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित नैदानिक अध्ययन (चल रहा है)
5.	शैक्षणिक गतिविधियाँ	पंत आयु :लाइफ साइंसेज पुणे	22.02.2024	21.02.2027	03 वर्ष	गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोगियों में पॉलीहर्बल फॉर्मूलेशन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नैदानिक अध्ययन (जारी)
6.	औषधि अनुसंधान, पूर्व नैदानिक अध्ययन	वैद्यरत्नम केरल	09.02.2024	8.02.2027	03 वर्ष	आगे के सहयोगात्मक क्षेत्रों को समझने के लिए संकाय के आदान-प्रदान की योजना बनाई गई
7.	नैनोटेक्नोलॉजी में उन्नत अनुसंधान	आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना	03.04.2024	02.04.2027	03 वर्ष	आगे के सहयोगात्मक क्षेत्रों को समझने के लिए AKU संकाय का दौरा हुआ
8.	उपकरण	***मालवीय***	09.11.2024	08.11.2027	03	व्रण धूपन यंत्र के

	सुविधाओं में उन्नत अनुसंधान	***राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान*** (एमएनआईटी) जयपुर			वर्ष	डिजाइन और विकास पर एक शोध परियोजना शुरू की गई है (जारी)

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए)						
अंतर्राष्ट्रीय एमओयू का विवरण						
क्र. सं.	**समझौता ज्ञापन का शीर्षक**	**सहयोगी संस्थान का नाम**	**समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तिथि**	**समझौता ज्ञापन की समाप्ति की तिथि**	**अवधि**	**समझौता ज्ञापन के तहत की गई गतिविधियाँ**
1	आयुर्वेद के क्षेत्र में सहयोग - शोधकर्ताओं का आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण, सुरक्षा और लाभकारी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य उत्पन्न करना आदि	फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेडिशनल एंड अल्टरनेटिव हेल्थ केयर, मनीला	19.4.2022	18.04.2027	05 वर्ष	एनआईए के एक प्रतिनिधिमंडल ने 12 से 15 जून 2023 तक मनीला, फिलीपींस के पारंपरिक और वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवा संस्थान (पीआईटीएएचसी) का दौरा किया, ताकि एनआईए और पीआईटीएएचसी, फिलीपींस के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के दायरे में पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित उनके मौजूदा नियमों को समझा जा सके। फिलीपींस की ओर से प्रतिनिधिमंडल ने आयुष चेयर के लिए मंत्रालय को एक संकाय का नाम भी प्रस्तावित

						किया है ।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए)						
राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन						
क्र. सं.	**समझौता ज्ञापन का शीर्षक**	**सहयोगी संस्थान का नाम**	**समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तिथि**	**समझौता ज्ञापन की समाप्ति की तिथि**	**अवधि**	**समझौता ज्ञापन के तहत किए गए कार्यकलाप**
1.	कैंसर की रोकथाम, शोध और देखभाल के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एनआईसीपीआर-नोएडा में एकीकृत ऑन्कोलॉजी केंद्र की स्थापना।	राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं शोध संस्थान (एनआईसीपीआर), नोएडा	19.10.2016	2021*	5 वर्ष	कैंसर की रोकथाम, शोध और देखभाल के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एनआईसीपीआर-नोएडा में एकीकृत ऑन्कोलॉजी केंद्र की स्थापना हेतु
2.	एमडीएनआईवाई और एआईआईए के बीच एक अंतःविषय स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को बढ़ावा देना	एमडीएनआईवाई, नई दिल्ली	18.09.2017	2022*	5 वर्ष	शिक्षण एवं क्षमता निर्माण तथा श्रमबल का आदान-प्रदान
3.	आयुष मंत्रालय , भारत सरकार के	सीसीआरएएस और एनसीआई,	24.03.2017	2022*	5 वर्ष	उच्च गुणवत्ता वाले शोध को बढ़ावा देने और

	संयुक्त उद्यम के रूप में आगामी राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में एकीकृत ऑन्कोलॉजी केंद्र की स्थापना ।	एम्स				संचालित करने के लिए इच्छित सहयोग का सामान्य ढांचा स्थापित करना
4.	विकसित उत्पादों/प्रणालियों के डिजाइन, विकास और सत्यापन परीक्षणों तथा विकसित उत्पादों के व्यावसायीकरण के लिए सहयोग।	जीएल बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ग्रेटर नोएडा, यूपी	24.04.2017	2020*	3 वर्ष	सहयोगात्मक शोध और प्रौद्योगिकी विकास
5.	आयुष मंत्रालय , भारत सरकार की उत्कृष्टता केंद्र योजना के अंतर्गत सहयोगात्मक शोध	सीएसआईआर -इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (सीएसआईआर-आईजीआईबी), नई दिल्ली	25.04.2018	2021*	3 वर्ष	आयुष मंत्रालय की उत्कृष्टता केंद्र योजना के अंतर्गत सहयोग शोध
6.	आयुर्वेद में शोध एवं विकास तथा शैक्षणिक क्षेत्र में	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	17.07.2018	2023*	5 वर्ष	निदान, नई औषधि विकास, औषधि वितरण

	सहयोग	(आईआईटी) दिल्ली				और चिकित्सा के मानकीकरण में आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों को समझने और उनका मूल्यांकन करने के लिए नवीन तकनीकों के विकास के क्षेत्रों में संयुक्त बहुविषयक शोध आरंभ करना।
7.	पीजी स्कॉलर्स का शिक्षण और प्रशिक्षण	इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल), भारत सरकार उद्यम	06.05.2019	2020*	1 वर्ष	आयुर्वेद औषधियों के बड़े पैमाने पर उत्पादन के प्रशिक्षण के संबंध में स्नातकोत्तर शोधार्थीयों को जानकारी प्रदान करना
8.	एआईआईए और एनआईएफटीईएम के बीच कार्यात्मक संबंध को विस्तारित और मजबूत करना।	राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम), सोनीपत , हरियाणा	09.10.2019	2024*	5 वर्ष	दोनों संस्थानों में वर्तमान सुविधाओं और उपलब्ध विशेषज्ञता को साझा करना तथा शैक्षिक सहयोग के लिए तौर-

						तरीकों और नियमों व शर्तों से निपटना
9.	आयुर्वेद में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान करना।	एचएलएल हेल्थकेयर लिमिटेड	01.06.2019	2024*	5 वर्ष	आयुर्वेद के यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना और परामर्श सेवाएं प्रदान करना
10.	आयुर्वेद में शोध एवं विकास तथा शिक्षण के क्षेत्र में सहयोग	जीवंती, वेलनेस और धर्मार्थ ट्रस्ट	23.05.2019	2024*	1 वर्ष	-टाइप-2 मधुमेह में शास्त्रीय आयुर्वेद जड़ी-बूटियों के उपयोग के पैटर्न का निरीक्षण करने के लिए फार्माको-महामारी विज्ञान सर्वेक्षण के फार्माकोग्नॉस्टिक और पोषक प्रोफ़ाइल का विश्लेषण
11.	एलबीएसएनएए में आयुर्वेद वेलनेस एवं चिकित्सा केंद्र की स्थापना	लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनए	01.09.2019	2024*	5 वर्ष	- वेलनेस और चिकित्सा देखभाल केंद्र को श्रमबल और तकनीकी सहायता

		ए), मसूरी , देहरादून				प्रदान करना । -प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को पंचकर्म सेवाएं।
12.	एआईआईए में डायग्नोस्टिक सुविधाएं स्थापित करना	पैनेसिया हेल्थकेयर एंड डायग्नोस्टिक प्राइवेट लिमिटेड.	13.11.2020	2025	5 वर्ष	क्षमता निर्माण के लिए एआईआईए में निदान के लिए ज्ञान, प्रौद्योगिकी और श्रमबल का आदान-प्रदान
13.	आयुरक्षा वेलनेस (दिल्ली पुलिस वेलनेस केंद्रों पर धन्वंतरि रथ के माध्यम से आयुर्वेद वेलनेस ओपीडी)	दिल्ली पुलिस, गृह मंत्रालय, भारत सरकार	18.08.2020	2022*	2 वर्ष	दिल्ली पुलिस कर्मियों को आयुर्वेद वेलनेस और निवारक देखभाल सेवाएं प्रदान करना।
14.	विरेचन द्वारा प्रेरित शारीरिक आधार और आंत बैक्टीरिया मॉड्यूलेशन पर शोध अध्ययन के लिए : एक संभावित अनुदैर्ध्य अध्ययन	सीसीआरएएस और आईएलबीएस	28.08.2020	2023*	3 वर्ष	विरेचन द्वारा प्रेरित शारीरिक आधार और आंत बैक्टीरिया मॉड्यूलेशन पर अध्ययन : एक संभावित दीर्घकालिक अध्ययन
15.	मानकीकरण, पशु अध्ययन,	एमिटी यूनिवर्सिटी	07.10.2020	2023*	3 वर्ष	-पारस्परिक सहयोग से शोध

	फार्मास्युटिक्स, फार्माकोडायनामिक्स और फार्माकोकाइनेटिक अध्ययन और संयुक्त परियोजनाओं पर शोध के लिए एआईआईए और एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश (एयूपी) के बीच समझौता ज्ञापन	उत्तर प्रदेश (एयूपी)				को सुविधाजनक बनाने के लिए श्रमबल, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे का आदान-प्रदान करना। -संकाय और छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम
16.	सिद्ध और आयुर्वेद को साक्ष्य आधारित चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्थापित करने के लिए सहयोगात्मक शोध और प्रशिक्षण कार्यकलापों के लिए	सीसीआरएस, चेन्नई	11.03.2021	2026	5 वर्ष	-पारस्परिक सहयोग से शोध को सुविधाजनक बनाने के लिए श्रमबल , प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे का आदान-प्रदान करना। -संकाय और छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम
17.	शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध में सहयोग	दिल्ली फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज	09.07.2021	2024*	3 वर्ष	- संवेदीकरण और क्षमता निर्माण के लिए छात्र

		एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली				विनिमय कार्यक्रम -संयुक्त उद्यम शोध परियोजनाएं शुरू करना। -प्रकाशन में सहयोग प्रदान करना।
18.	झज्जर के एनसीआई में आयुर्वेद और एकीकृत ऑन्कोलॉजी केंद्र की स्थापना	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई)	28.01.2022	2024*	2 वर्ष	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, झज्जर में कैंसर रोगियों को एकीकृत आयुर्वेद के माध्यम से क्लीनिकल सेवाएं - एकीकृत ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में संयुक्त शोध कार्यकलापों का निर्माण।
19.	साक्ष्य आधारित उपचार प्रोटोकॉल के क्षेत्र में शोध एवं विकास में सहयोग	इंद्रप्रस्थ मेडिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमसीएल), अपोलो हॉस्पिटल्स, नई दिल्ली	02.02.2022	2025	3 वर्ष	-सहयोगी शैक्षणिक कार्यक्रम -क्षमता निर्माण कार्यकलाप -संयुक्त शोध/ क्लीनिकल परीक्षण
20.	वीएमएमसी और	वीएमएमसी	25.03.2022	2023*	1 वर्ष	- एकीकृत

	एसजे अस्पताल में एकीकृत चिकित्सा विभाग की स्थापना	एसजे अस्पताल, नई दिल्ली				देखभाल के माध्यम से निवारक, प्रोत्साहक और उपचारात्मक चिकित्सा सेवाएं -जीवनशैली परामर्श, योग, आहार परामर्श -संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रम
21.	अनुपूरक सेवा समझौता	मेसर्स वर्कश्योर मेडफार्मा कंस्यूटेंसी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	22.03.2022	2023*	1 वर्ष	कोविड-19 संक्रमण से निपटने में गुडूच्यादि टैबलेट के मोलिक्यूलर तंत्र पर इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन पर कोविड-19 से संबंधित परियोजना-विशिष्ट समझौते को लागू करना
22.	परियोजना विशिष्ट द्विपक्षीय क्लिनिकल परीक्षण समझौता	यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस)	23.03.2022	2027	5 वर्ष	कोविड-19 संक्रमण से निपटने में गुडूच्यादि टैबलेट के मोलिक्यूलर

						तंत्र का इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन
23.	योग में शैक्षणिक सहयोग और शोध	कैवल्यधाम योग संस्थान, लोनावला	26.08.2022	2027	5 वर्ष	-क्षमता निर्माण -शोध सहयोग -छात्र विनिमय कार्यक्रम
24.	योग और आयुर्वेद में शोध में कार्यात्मक संबंध को विस्तारित और मजबूत करना	योग संस्थान, मुंबई	22.09.2022	2027	5 वर्ष	-शैक्षणिक सहयोग के लिए, वर्तमान सुविधाओं को साझा करना
25.	आयुरक्षा वेलनेस (दिल्ली पुलिस वेलनेस केंद्रों पर धन्वंतरि रथ के माध्यम से आयुर्वेद वेलनेस ओपीडी)	दिल्ली पुलिस, गृह मंत्रालय, भारत सरकार	18.08.2022	2024	2 वर्ष	- दिल्ली पुलिस कर्मियों को आयुर्वेद के माध्यम से निवारक और प्रोत्साहक देखभाल।
26.	पंचांग पर आधारित साइकोमेट्रिक व्यक्तित्व परीक्षण के शोध एवं विकास में सहयोग आयुर्वेद का महाभूत सिद्धांत (आईपर्सोना विश्लेषण)	ब्रेनबर्ग नॉलेज सॉल्यूशन	22.05.2022	2025	3 वर्ष	-एआईआईए द्वारा आई पर्सोना को आयुर्वेद तकनीकी सहायता प्रदान करना संयुक्त शोध उपक्रम आरंभ करना ।

27.	शैक्षणिक सहयोग के लिए तौर-तरीके और नियम व शर्तें।	आत्रेय इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड	28.09.2022	2025	3 वर्ष	-क्षमता निर्माण -शोध सहयोग -छात्र विनिमय कार्यक्रम
28.	स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध परियोजनाएं चलाना	जीवंती, वेलनेस और धर्मार्थ ट्रस्ट	07.10.2022	2023*	1 वर्ष	-शोध कार्यकलापों में सहयोग और सहभागिता
29.	एकीकृत चिकित्सा विभाग की स्थापना	एम्स, दिल्ली	02.06.2023	2024*	1 वर्ष	-एम्स में एकीकृत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना -क्षमता निर्माण कार्यक्रम
30.	आयुर्वेद में शोध और शिक्षण में सहयोग और सहभागिता	अमृता विश्व विद्यापीठम, नई दिल्ली	08.04.2023	2028	5 वर्ष	-बहु-विषयक शोध का संचालन करना -क्षमता निर्माण -संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रम
31.	रोगी और एआईआईए छात्रों के प्रशिक्षण के आधार पर आहार का डिजाइन और अनुमोदन	सोडेक्सो इंडिया सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	21.04.2023	2026	3 वर्ष	- प्रस्तावित परियोजना में शोध एवं तकनीकी सहायता में सहयोग
32.	आयुर्वेद में शोध एवं विकास तथा	जीवंती, वेलनेस एवं चैरिटेबल	07.07.2023	2024*	1 वर्ष	-आम जनता के बीच आयुर्वेद को बढ़ावा देना

	शैक्षणिक क्षेत्र में सहयोग एवं सहभागिता	ट्रस्ट, नई दिल्ली				-पीजी और पीएचडी स्कॉलर्स के लिए क्षमता निर्माण कार्यकलाप
33.	सहयोग, चर्चा और सकारात्मक शैक्षणिक संबंध को बढ़ावा देना	राष्ट्रीय औषधि शिक्षण एवं शोध संस्थान (एनआईपीईआर), एसएएस नगर, मोहाली	31.07.2023	2028	5	-संकाय, शोध शोधार्थीयों का आदान-प्रदान और शोध एवं विकास सहयोग
34.	टेलीमेडिसिन परामर्श सेवा के क्षेत्र में सहयोग।	एलबीएसएनएए, मसूरी	06.07.2023	2026	3 वर्ष	आयुष वेलनेस सेंटर की स्थापना -प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के लिए आयुर्वेद जागरूकता और संवेदीकरण कार्यकलाप प्रदान करना
35.	आयुर्वेद वेलनेस एवं चिकित्सा केंद्र के संचालन के लिए।	केदविया वन प्रभाग स्टैच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र विकास और पर्यटन प्रशासन प्राधिकरण (SOUADTG	05.09.2023	2028	5 वर्ष	-आरोग्य वन एकता नगर में आयुर्वेद वेलनेस और चिकित्सा केंद्र के संचालन के लिए

		A) आरोग्य वन एकता नगर में				
36.	एचएसएल द्वारा उत्पादित लवणों और मानव स्वास्थ्य पर इसके लाभों पर शोध करने के लिए सहयोग	हिंदुस्तान साल्ट्स लिमिटेड	20.10.2023	2028	5 वर्ष	-शोध एवं क्षमता निर्माण कार्यकलाप
37.	सहयोगात्मक शोध और प्रशिक्षण कार्यकलाप	वैद्यरत्नम पीएस वारियर्स आर्य वैद्य शाला, सेंटर फॉर मेडिकल प्लांट्स रिसर्च , केरल	20.10.2023	2024*	1 वर्ष (स्वतः नवीनीकरण)	-शोध एवं क्षमता निर्माण कार्यकलाप
38.	आयुर्वेद शोध और शिक्षण में सहयोग के लिए	हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट (एच ई टी)	20.10.2023	2028	5 वर्ष	-संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रम -क्षमता निर्माण कार्यकलाप -प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान और बौद्धिक सूचना साझाकरण
39.	शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध कार्यकलापों के माध्यम से पारंपरिक	स्वास्थ्य एवं परिवार वेलनेस	20.10.2023	2028	5 वर्ष	-संयुक्त शैक्षणिक कार्यकलाप -संयुक्त शोध

	और पूरक चिकित्सा पर ध्यान केंद्रित करते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकलापों को बढ़ावा देना	मंत्रालय, भारत सरकार (एनआईएचए फडब्ल्यू)				कार्यकलाप -प्रकाशनों का आदान-प्रदान -संकाय और छात्र का आदान-प्रदान - एनआईएचएफड ब्ल्यू में छात्र भ्रमण कार्यक्रमों को सुविधाजनक बनाना
40.	मातृ, शिशु, युवा बच्चे और किशोर पोषण (MIYCAN) ई-लर्निंग पाठ्यक्रम	पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन के साथ-साथ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (पीएचएफआई - आईआईपीएच) और अलाइव एंड थ्राइव, नई दिल्ली	20.10.2023	2024*	6 माह	आयुष चिकित्सकों , आयुष पैरामेडिकल स्टाफ, यूजी और पीजी छात्रों के लिए चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक शिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करना ।
41.	शैक्षणिक एवं शोध कार्यकलापों के लिए समर्थन का समझौता।	श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल	20.06.2023	2026	3 वर्ष	-शैक्षणिक और शोध कार्यकलापों में समर्थन और सहयोग करना

		उडुपी				
42.	शोध में सहयोग और सहभागिता की प्रक्रिया को नियंत्रित करना	बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (बिट्स) पिलानी	08.11.2023	2025	2 वर्ष	-बिट्स और एआईआईए के संकायों और छात्रों के लिए एमडी, पीएचडी, आईएमआर और ईएमआर सहित संयुक्त सहयोगी उपक्रमों को निष्पादित करना। -संयुक्त वित्तपोषण संसाधनों के लिए आवेदन करना
43.	एवाईसीएल द्वारा उत्पादित चाय की विभिन्न किस्मों और मानव स्वास्थ्य पर इसके लाभों पर शोध।	एंड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड.	20.12.2023	2028	5 वर्ष	-स्वास्थ्य लाभ बढ़ाने के लिए संरचना संशोधन के लिए एवाईसीएल का मार्गदर्शन करना और दुनिया भर में और एआईआईए के सभी पुनः अद्यतन जर्नल में परिणामों के साथ लेख प्रकाशित करना

44.	शोध और उद्यमशीलता कार्यकलाप	न्यूट्री-हब, टीबीआईएससी भारतीय कदन्न शोध संस्थान (आईआईएमआर) हैदराबाद	27.11.2023	2028	5 वर्ष	गैर-वाणिज्यिक आधार पर शोध, विकास और शिक्षण में पारस्परिक रुचि को मान्यता देना
45.	आयुर्वेद में शोध और विकास में सहयोग को मजबूत और विकसित करना	ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (THISTI), फरीदाबाद	09.01.2024	2029	5 वर्ष	-ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य शोध में हालिया प्रगति से संबंधित शोध और प्रौद्योगिकी में आपसी सहयोग बढ़ाना
46.	शैक्षणिक, शोध और क्लीनिकल सहयोग के लिए	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल	20.02.2024	2029	5 वर्ष	-संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रम -क्षमता निर्माण कार्यकलाप -प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान और बौद्धिक सूचना साझाकरण
47.	आयुष समग्र वेलनेस केंद्र की स्थापना और संचालन	भारत का सर्वोच्च न्यायालय, तिलक मार्ग,	22.02.2024	2029	5 वर्ष	-भारत के सर्वोच्च न्यायालय के कार्मिकों को समग्र स्वास्थ्य

		नई दिल्ली				देखभाल सेवाएं प्रदान करना। - आयुर्वेद के माध्यम से निवारक और संवर्धनात्मक स्वास्थ्य के संबंध में जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा करना।
48.	मिशन उत्कर्ष के अंतर्गत पांच जिलों में आयुर्वेद हस्तक्षेप के माध्यम से किशोरियों में एनीमिया नियंत्रण हेतु सहयोगात्मक परियोजना	एनआईए, जयपुर और पीएचएफआई आईआईपीएच दिल्ली	23.04.2024	2027	3 वर्ष	-अध्ययन स्थल के संबंध में निर्देशानुसार परियोजना का क्रियान्वयन करना - श्रमबल सहायता और परियोजना का समय पर पूरा होना।
49.	पारंपरिक पोषण के साथ-साथ योग और आयुर्वेद से संबंधित सहयोगात्मक शोध।	तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे	01.06.2024	2027	3 वर्ष	- आयुर्वेद और योग प्रथाओं के लिए गुणवत्ता मानकों की स्थापना -पक्षों के बीच सहयोगात्मक

						शोध को बढ़ावा देना। -संयुक्त क्षमता निर्माण कार्यकलापों का संचालन
50.	नाडीपल्स प्रोग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित नाड़ी परीक्षा उपकरण (एनपल्स) का क्लीनिकल सत्यापन।	नाडिपल्स प्रोग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड,	05.07.2024	2027	3 वर्ष	नाड़ी पल्स उपकरण के सत्यापन के लिए शोध का संचालन
51.	शैक्षणिक, शोध और उद्यमिता कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करना।	सीएसआईआर -केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी शोध संस्थान (सीएफटीआर आई), मैसूर	15.10.2024	2027	3 वर्ष	-खाद्य शोध में पारस्परिक सहयोग बढ़ाना -आयुर्वेद खाद्य उत्पादों का पोषण विश्लेषण -क्षमता निर्माण कार्यकलाप।
52.	शैक्षणिक, शोध और उद्यमिता कार्यक्रम सहयोग।	जीआईएसटी-ग्लोबल इंडियन साइंटिस्ट एंड टेक्नोक्राफ्ट्स फोरम,	20.07.2024	2027	3 वर्ष	-राष्ट्रीय हित पर पारस्परिक शोध परियोजनाओं की संभावनाओं का पता लगाना। -पक्षों के बीच

		भोपाल।				विशेषज्ञता का आदान-प्रदान।
53.	विस्तृत एमओयू में उल्लिखित आयुर्वेदिक विज्ञान के क्षेत्र में विकास और अनुसंधान परियोजनाओं (उद्देश्य) पर संयुक्त रूप से काम करने के लिए एआईआईए और बिट्स अनुसंधान और छात्रों (संकाय) के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग की प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान समझौता, जो व्यवस्थित रूप से उभर सकता है।	बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस पिलानी , गोवा	11.12.2023	10.12.2026	3 वर्ष	-शोध परियोजनाओं का क्रियान्वयन -क्षमता निर्माण -छात्र विनिमय कार्यक्रम
54.	सीएसआईआर-एनआईओ और अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान,	सीएसआईआर - राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा	11.12.2023	10.12.2028	5 वर्ष	- सहयोगात्मक शोध कार्यक्रम और परियोजनाएं संचालित करना

	गोवा के बीच संस्थागत संपर्क को बढ़ावा देना, तथा संभावित सहयोग के लिए अन्य विकल्प तलाशना, जहां विशेषज्ञता मौजूद हो और जिसकी निगरानी दोनों में से किसी एक या दोनों द्वारा की जा सके।					
55.	आयुष और अन्य पारंपरिक दवाओं को शामिल करते हुए वेलनेस और चिकित्सा पर्यटन परिदृश्य को बढ़ाने, वेलनेस पर्यटन के विपणन, प्रचार और विकास के लिए संभावित अवसरों की खोज करना ।	पर्यटन विभाग, गोवा सरकार	03.04.2024	02.04.2027	3 वर्ष	- आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करना; स्वास्थ्य पर्यटन सुविधाओं का विकास करना आदि।
56.	गोवा राज्य में जैव विविधता के संरक्षण, सतत उपयोग और	गोवा राज्य जैव विविधता बोर्ड, गोवा सरकार	21.09.2024	20.09.2029	5 वर्ष	- औषधीय पौधों के उद्यान की स्थापना और विकास के लिए

	दस्तावेजीकरण के लिए।					जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना और शोध करना

नोट: *जिन समझौता ज्ञापनों की अवधि समाप्त हो चुकी है, उन्हें विस्तार हेतु नवीकरण हेतु प्रक्रियाधीन किया जा रहा है।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए)						
अंतर्राष्ट्रीय एमओयू का विवरण						
1.	आयुर्वेद के क्षेत्र में सहयोग और सहभागिता	यूरोपियन आयुर्वेद अकादमी, बर्नस्टीन, जर्मनी	08.09.2017 और जेडीआई ने जारी रखने के लिए हस्ताक्षर किए	2027	5 वर्ष	-एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद से, हर वर्ष आरईएए के शोधार्थीयों का एक दल एआईआईए का दौरा करता है और चिकित्सीय आहार और आयुर्वेद के अन्य व्यावहारिक पहलुओं पर प्रशिक्षण प्राप्त करता है। -आरईएए हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करता है और निदेशक कुछ आमंत्रित संकाय आरईएए, बिरस्टीन , जर्मनी का दौरा करते हैं और कार्यक्रम में भाग लेते हैं, व्याख्यान देते हैं और कुछ विशिष्ट कार्यशालाएं भी आयोजित करते हैं।
2.	आयुर्वेद के क्षेत्र	ग्राज़ मेडिकल	03.10.2018	2023*	5	-एमओयू पर वर्ष

	में सहयोग और सहभागिता	यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रिया			वर्ष	2018 में हस्ताक्षर किए गए थे, और तब से ग्राज़ मेडिकल यूनिवर्सिटी (2018) द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।
3.	आयुर्वेद, योग और ध्यान में अकादमिक सहयोग की स्थापना	एफआईजेड फ्रैंकफर्टर इनोवेशन ज़ेंट्रम बायोटेक्नोलॉजी जीएमबीएच, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी	31.10.2019	2022*	3 वर्ष	कोविड -19 संक्रमण से निपटने में गुडूच्यादि गोलियों के मोलिक्यूलर तंत्र को समझने की परियोजना इन विट्रो और इन विवो अध्ययन - क्लीनिकल अध्ययन और इन विट्रो विश्लेषण पूरा हुआ।
4.	द्विपक्षीय सहयोग तथा शोध एवं शिक्षण में सहयोग	यूके कॉलेज ऑफ मेडिसिन	18-20.04.2019	2022*	3 वर्ष	- बौद्धिक और क्षमता निर्माण कार्यकलापों में पारस्परिक सहयोग -आयुरयोग पर एक परियोजना चल रही है
5.	आयुर्वेद में अकादमिक सहयोग	शिमाने विश्वविद्यालय, जापान	10.12.2019	2024*	5 वर्ष	-क्षमता निर्माण -संकाय विनिमय कार्यक्रम -शोध नवाचार और

						सहायता
6.	द्विपक्षीय सहयोग और शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध में सहयोग	वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय (WSU)	21.11.2019	2022*	3 वर्ष	-एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद कोविड -19 के बाद चार वेबिनार आयोजित किए गए। -एक पुस्तक प्रकाशित हुई है और एक पुस्तक अध्याय परियोजना चल रही है।
7.	आयुर्वेद में अकादमिक सहयोग की स्थापना	ला रीयूनियन में यूनिवर्सिटी जनरल हॉस्पिटल - दा ला रीयूनियन	10.12.2020	2023*	3 वर्ष	-शिक्षण, क्लीनिकल सेवाओं, प्रशिक्षण और शोध में द्विपक्षीय सहयोग के लिए।
8.	शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध में द्विपक्षीय सहयोग और सहकारिता की स्थापना	फ़ेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साओ पाउलो और फ़्यूचर विज़न इंस्टीट्यूट, पोरंगाबा , साउ पाउलो, ब्राज़ील	02.06.2021	2026	5 वर्ष	-क्षमता निर्माण -संकाय विनिमय कार्यक्रम -शोध नवाचार और सहायता
9.	आयुर्वेद में अकादमिक सहयोग	यूनिवर्सिटीस हिंदू इंडोनेशिया	18.03.2021	2024*	3 वर्ष	-शिक्षण एवं क्षमता निर्माण तथा श्रमबल का आदान-प्रदान

10.	एनआईसीएम, डब्ल्यूएसयू, ऑस्ट्रेलिया में आयुर्वेद चेयर की स्थापना	वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय (डब्ल्यूएसयू)	02.09.2021	2024*	3 वर्ष	आयुष मंत्रालय द्वारा अध्यक्ष के रूप में नियुक्त डॉ राजगोपाल एस ने अपना एक वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लिया है।
11.	आयुर्वेद में अकादमिक सहयोग की स्थापना	क्वार्नर हेल्थ टूरिज्म क्लस्टर, क्रोएशिया	04.10.2021	2024*	3 वर्ष	-सहयोगी शैक्षणिक कार्यक्रम -क्षमता निर्माण कार्यकलाप -संयुक्त शोध/ क्लीनिकल परीक्षण
12.	अकादमिक की स्थापना आयुर्वेद में सहयोग	फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ रियो डी जेनेरो (यूएफआरजे), ब्राज़ील और ब्राजीलियन एकेडमिक कंसोर्टियम फॉर इंटीग्रेटिव हेल्थ (CABSIN), ब्राज़ील	20.04.2022	2027	5 वर्ष	-क्षमता निर्माण -संकाय विनिमय कार्यक्रम -शोध नवाचार और सहयोग -विभिन्न देशों में पारंपरिक दवाओं के विनियमन पर मास्टर डिग्री (यूएफआरजे) के हिस्से के रूप में 'आयुर्वेद हर्बल दवाओं के विनियामक पहलू' प्रक्रियाधीन हैं। -यूएफआरजे के साथ

						एक और परियोजना जिसका शीर्षक है 'ब्राजील और भारत के बीच ट्रांसकल्चरल एथनोफार्कोलॉजी : आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से अनिद्रा के प्रबंधन में औषधीय पौधों का उपयोग' को फंडिंग एजेंसी सीएपीईएस (सीएपीईएस स्नातक शिक्षण के समर्थन और मूल्यांकन के लिए एक ब्राजीलियाई संघीय एजेंसी है) को प्रस्तुत किया गया है।
13.	शोध के लिए सहयोगी नेटवर्क की स्थापना।	यूनिवर्सिटी हेल्थ नेटवर्क, टोरंटो, कनाडा	20.04.2022	2025	3 वर्ष	- सहयोग के लिए संयुक्त क्षेत्रों की आगे की खोज को सुविधाजनक बनाना - तीन परियोजनाओं पर चर्चा चल रही है: 1. निशा अमलाकी के साथ प्री-डायबिटीज़ और डायबिटीज़ 2. योग - हृदय पुनर्वास और

						मानसिक स्वास्थ्य 3. ऑस्टियोआर्थराइटिस में बोसवेलिया के साथ दर्द/मस्कुलोस्केलेटल
14.	आयुर्वेद में शोध सहयोग	राष्ट्रीय उन्नत औद्योगिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एआईएसटी), जापान	06.10.2022	2027	5 वर्ष	दो अनुसंधान परियोजनाएं निम्नानुसार अनुमोदन के लिए आयुष मंत्रालय के पास हैं: 1. अल्जाइमर रोग पर परियोजना (एएलजेड): अल्जाइमर रोग के प्रबंधन में एक अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में यष्टिमधु घृत: एक रेंडम ओपन लेबल नियंत्रित क्लीनिकल अध्ययन 2. ओरल कैंसर पर परियोजना (ओएससीसी): ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) के

						प्रबंधन में एक अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में यष्टिमधु घृत: एक क्लीनिकल अध्ययन
15.	आयुर्वेद में अकादमिक सहयोग की स्थापना	यूनिवर्सिडाड डी साइंसेस मेडिकास डी ला हबाना (यूसीएमएच) या हवाना, क्यूबा चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय	10.12.2022	2027	5 वर्ष	-शिक्षण एवं क्षमता निर्माण तथा श्रमबल का आदान-प्रदान
16.	आयुर्वेद में अकादमिक सहयोग की स्थापना	श्री वजेरा फाउंडेशन और संबद्ध संस्थाएं - ब्राज़ील	09.01.2024	2029	5 वर्ष	- एआईआईए में ब्राजील के छात्रों के तीन प्रशिक्षण दौरे आयोजित किए गए हैं

नोट: *जिन समझौता ज्ञापनों की अवधि समाप्त हो चुकी है, उन्हें विस्तार हेतु नवीकरण हेतु प्रक्रियाधीन किया जा रहा है।

आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए)						
राष्ट्रीय एमओयू का विवरण						
क्रमांक	**एमओयू का शीर्षक**	**सहयोगात्मक संस्थान का नाम**	**एमओयू दर्ज करने की तिथि**	**एमओयू की समाप्ति तिथि**	**अवधि**	**एमओयू के तहत की गई गतिविधियां**
1	एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल, आयुर्वेद कॉलेज कोयंबटूर और एवीपी रिसर्च फाउंडेशन और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल, आयुर्वेद कॉलेज कोयंबटूर और एवीपी रिसर्च फाउंडेशन	8/4/2022	8/3/2025	3 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ: कानूनी रूप से बाध्यकारी दायित्वों के साथ विशिष्ट संयुक्त परियोजनाएं शुरू करने के लिए सहमत हैं, वे ऐसी परियोजनाओं के लिए प्रत्येक पक्ष के योगदान, डिलिवरेबल्स, और बजट को निर्धारित करते हुए अलग-अलग लिखित समझौते का विकास होगा।

क्रमांक	एमओयू का शीर्षक	सहयोगात्मक संस्थान का नाम	एमओयू दर्ज करने की तिथि	एमओयू की समाप्ति तिथि	अवधि	एमओयू के तहत की गई गतिविधियां
2	उद्यमिता विकास केंद्र और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	उद्यमिता विकास केंद्र	11/16/2021	11/15/2026	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ: - छात्रों में उद्यमिता की सोच को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के पाठ्यक्रम में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण मॉड्यूल को वैकल्पिक के रूप में बढ़ावा देना। - आईटीआरए के परिसर में उद्यमिता विकास और ऊष्मायन केंद्र के लिए एक सीईडी-आईटीआरए केंद्र स्थापित करना।
3	धन्वंतरि क्लिनिक - अतुल देसाई और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	धन्वंतरि क्लिनिक - अतुल देसाई	2/3/2022	2/2/2027	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : - पीजी और पीएचडी छात्रों के अनुसंधान अध्येताओं और शिक्षकों का बुनियादी ढांचा - अध्ययन हर्बल, पशु और खनिज मूल की

क्रमांक	एमओयू का शीर्षक	सहयोगात्मक संस्थान का नाम	एमओयू दर्ज करने की तिथि	एमओयू की समाप्ति तिथि	अवधि	एमओयू के तहत की गई गतिविधियां
						दवाओं से संबंधित होंगे। वे एकल या बहु घटक फॉर्मूलेशन हो सकते हैं।
4	सिद्धांत नॉलेज फाउंडेशन और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	सिद्धांत नॉलेज फाउंडेशन	4/14/2022	4/13/2027	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न भारतीय ग्रंथ, संहिताएं और शास्त्र व्याकरण, ज्योतिष, वास्तु शास्त्र, आयुर्वेद, धर्मशास्त्र और अन्य अनेक अनुसंधान परियोजनाओं को कवर करना
5	वैज्ञानिक एवं नवोन्मेषी अनुसंधान अकादमी, गाजियाबाद और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	वैज्ञानिक एवं नवोन्मेषी अनुसंधान अकादमी, गाजियाबाद	4/21/2022	4/20/2027	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : दोनों पक्षों को पूरी अवधि के दौरान कार्यक्रम के लिए उनके संबंधित गवर्निंग बोर्ड/सीनेट से मान्यता/अनुमोदन

क्रमांक	एमओयू का शीर्षक	सहयोगात्मक संस्थान का नाम	एमओयू दर्ज करने की तिथि	एमओयू की समाप्ति तिथि	अवधि	एमओयू के तहत की गई गतिविधियां
						प्राप्त करना और बनाए रखना होगा।
6	स्कूल ऑफ फार्मेसी, आर के यूनिवर्सिटी, राजकोट और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	स्कूल ऑफ फार्मेसी, आर के यूनिवर्सिटी , राजकोट	7/26/2022	7/25/2027	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : दोनों संस्थान एक-दूसरे को पीजी, पीएच.डी. छात्र-शोध अध्येता और शिक्षक- को उनके नियमित कार्यों में खलल डाले बिना उनकी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा को उपलब्ध कराना।
7	कामधेनु विश्वविद्यालय, गांधीनगर और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	कामधेनु विश्वविद्यालय, गांधीनगर	9/16/2022	9/15/2027	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : समझौते के तहत सहयोग से उत्पन्न प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण से उत्पन्न अनुसंधान प्रकाशन और लाभ

क्रमांक	एमओयू का शीर्षक	सहयोगात्मक संस्थान का नाम	एमओयू दर्ज करने की तिथि	एमओयू की समाप्ति तिथि	अवधि	एमओयू के तहत की गई गतिविधियां
8	श्रीमती आर.डी.गार्डी बी.फार्मेसी कॉलेज, न्यारा, राजकोट और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	श्रीमती आर.डी.गार्डी बी.फार्मेसी कॉलेज, न्यारा, राजकोट	11/24/2022	11/23/2027	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : दोनों संस्थान एक-दूसरे को पीजी, पीएच.डी. छात्र-शोध अध्येता और शिक्षक- को उनके नियमित कार्यों में खलल डाले बिना उनकी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा को उपलब्ध कराना।
9	सरकारी आयुर्वेद कॉलेज जूनागढ़ और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	सरकारी आयुर्वेद कॉलेज जूनागढ़	10/31/2023	10/30/2028	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : आयुर्वेदिक दवाओं की विषाक्तता प्रोफाइल का आकलन करने और संभावित प्रतिकूल प्रभावों या मतभेदों की पहचान करने के लिए सुरक्षा अध्ययनों पर सहयोग करना। इसमें आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फार्माकोविजिलेंस

क्रमांक	एमओयू का शीर्षक	सहयोगात्मक संस्थान का नाम	एमओयू दर्ज करने की तिथि	एमओयू की समाप्ति तिथि	अवधि	एमओयू के तहत की गई गतिविधियां
						गतिविधियों का संचालन करना शामिल है। आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन और उपचारों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए संयुक्त रूप से प्री-क्लिनिकल आयोजित करना शामिल है। इसमें आयुर्वेदिक ग्रंथों में वर्णित हर्बल दवाओं, फॉर्मूलेशन और चिकित्सीय हस्तक्षेपों का व्यवस्थित मूल्यांकन शामिल हो सकता है।
10	भारतीय शिक्षण संस्थान गांधीनगर और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	भारतीय शिक्षण संस्थान गांधीनगर	1/23/2024	1/22/2029	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : संस्थानों के प्रशासनिक कर्मचारी, संकाय और छात्रों को आमंत्रित करके संस्थागत आदान-

क्रमांक	एमओयू का शीर्षक	सहयोगात्मक संस्थान का नाम	एमओयू दर्ज करने की तिथि	एमओयू की समाप्ति तिथि	अवधि	एमओयू के तहत की गई गतिविधियां
						प्रदान को बढ़ावा देना। भागीदार संस्थान विभिन्न प्रकार की अनुसंधान गतिविधियों और व्यावसायिक विकास में भाग लेंगे।
11	ग्लोबल इंडो साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजीस्ट फोरम (जीआईएसटी) और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	ग्लोबल इंडो साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजीस्ट फोरम (जीआईएसटी)	8/5/2024	8/4/2029	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : राष्ट्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करना, विशेष रूप से आयुर्वेद और योग के माध्यम से कल्याण, स्वास्थ्य संवर्धन, बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुर्वेद को मुख्यधारा में लाना।

क्रमांक	एमओयू का शीर्षक	सहयोगात्मक संस्थान का नाम	एमओयू दर्ज करने की तिथि	एमओयू की समाप्ति तिथि	अवधि	एमओयू के तहत की गई गतिविधियां
12	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) अहमदाबाद और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) अहमदाबाद	1/10/2025	1/9/2030	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ : संबंधित संस्थानों के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन क्षेत्रों के विश्लेषण और समझ को गहरा करने के लिए संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों का संचालन और पर्यवेक्षण करना।

आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए)						
अंतर्राष्ट्रीय एमओयू का विवरण						
क्रमांक	**एमओयू का शीर्षक**	**सहयोगात्मक संस्थान का नाम**	**एमओयू दर्ज करने की तिथि**	**एमओयू की समाप्ति तिथि**	**अवधि**	**एमओयू के तहत की गई गतिविधियां**
1	फंडासिओन डी सलूड, आयुर्वेद प्रीमा और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	फंडासिओन डी सलूड, आयुर्वेद प्रीमा	4/14/2022	4/13/2027	5 वर्ष	08 छात्रों के लिए आईटीआरए में अल्पकालिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया
2	दक्षिणी कैलिफोर्निया स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	दक्षिणी कैलिफोर्निया स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय	1/13/2024	1/12/2027	3 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ: -आयुर्वेद के क्षेत्र में शैक्षणिक गतिविधियाँ -आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान, -आयुर्वेद से संबंधित व्याख्यान, कार्यशालाएं, सेमिनार और/या सम्मेलन और ऐसी अन्य गतिविधियां आयोजित करना।
3	फैकुलडेड एस्कोला डी आयुर्वेद- एफएईएसडीए और इंस्टीट्यूट ऑफ	फैकुलडेड एस्कोला डी	2/3/2022	2/2/2027	5 वर्ष	14 छात्रों के लिए आईटीआरए में अल्पकालिक प्रशिक्षण

	टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	आयुर्वेद - एफएईएस डीए				आयोजित किया गया
4	एनपीओ जापान आयुर्वेद संस्थान और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	एनपीओ जापान आयुर्वेद संस्थान	8/24/2022	8/23/2027	5 वर्ष	13 छात्रों के लिए आईटीआरए में अतिथि व्याख्यान और लघु प्रशिक्षण आयोजित किया गया
5	यूनिवर्सिटी तुंका अब्दुल रहमान और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	यूनिवर्सिटी तुंका अब्दुल रहमान	10/22/2024	10/21/2027	3 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ: मलेशिया में प्रकृति, दायरे और गुणवत्ता पर स्थानीय संकाय के साथ आयुर्वेद में अभ्यास/सेवा की समन्वय में एक अध्ययन आयोजित करें। -मुख्य रूप से प्रदर्शन के माध्यम से संस्थान को अकादमिक नेतृत्व प्रदान करना । -आयुर्वेद के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर संबंधित शिक्षण, अनुसंधान और नीति

6						विकास में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना -उच्च शिक्षा मंत्रालय और मलेशियाई योग्यता एजेंसी (एमक्यूए) के दिशानिर्देशों के अनुसार, स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर बीएएमएस के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन करना
6	वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट	11/28/2022	11/27/2027	5 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ: - आयुर्वेद चिकित्सा पर सहयोगात्मक अनुसंधान। - सम्मेलन, सेमिनार, संगोष्ठियाँ और व्याख्यान अलुरुएडा दवा के बढ़ते साक्ष्य आधार का प्रसार और उपयोग करना -संयुक्त प्रकाशन और अन्य विद्वतापूर्ण गतिविधियाँ - संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम और संयुक्त

						पाठ्यक्रम बनाना।
7	आयुर्वेद-एस्कुएला क्लिनिका इंडो-अमेरिकाना डी मेडिसिना आयुर्वेद और इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	आयुर्वेद-एस्कुएला क्लिनिका इंडो-अमेरिकाना डी मेडिसिना आयुर्वेद	1/31/2023	1/30/2028	5 वर्ष	26 छात्रों के लिए आईटीआरए में लघु प्रशिक्षण आयोजित किया
8	राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच समझौता ज्ञापन	राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान	4/15/2023	4/14/2026	3 वर्ष	प्रस्तावित गतिविधियाँ: आयुर्वेद पर कार्यशाला, व्याख्यान, सेमिनार और/या सम्मेलन और ऐसी अन्य गतिविधियाँ आयोजित करना ।

अनुलग्नक II

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद

सीसीआरएएस अनुसंधान संस्थान/केंद्रों की राज्यवार सूची

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संस्थान/केंद्र का नाम
1.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	1) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर
2.	आंध्र प्रदेश	2) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा
3.	अरुणाचल प्रदेश	3) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ईटानगर
4.	असम	4) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी
5.	बिहार	5) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटना
6.	दिल्ली	6) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
7.	गोवा	7) क्षेत्रीय आयुर्वेद खनिज एवं समुद्री औषधीय संसाधन अनुसंधान संस्थान, गोवा
8.	गुजरात	8) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद
9.	हिमाचल प्रदेश	9) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मंडी
10.	जम्मू और कश्मीर	10) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जम्मू
11.	कर्नाटक	11) केंद्रीय आयुर्वेद पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु
12.	केरल	12) राष्ट्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान , चेरुतुरुथी
		13) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम
13.	मध्य प्रदेश	14) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर
14.	महाराष्ट्र	15) राजा रामदेव आनंदीलाल पोदार (आरआरएपी) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मुंबई
		16) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नागपुर
		17) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पुणे
15.	नागालैंड	18) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, दीमापुर , नागालैंड
16.	ओडिशा	19) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर
17.	पंजाब	20) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटियाला
18.	राजस्थान	21) एमएस क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर
19.	सिक्किम	22) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गंगटोक

20.	तमिलनाडु	23) कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेन्नई
		24) डॉ. अचंता लक्ष्मीपति क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेन्नई
21.	तेलंगाना	25) राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद
22.	त्रिपुरा	26) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, अगरतला , त्रिपुरा
23.	उत्तर प्रदेश	27) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झांसी
		28) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
24.	उत्तराखंड	29) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, रानीखेत
25.	पश्चिम बंगाल	30) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, कोलकाता